संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 33
पृष्ठ 8
रविवार
20 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- करवा चौथ पर अपनों ....

विचार- प्यार की राह में मजहब....

खेल- सरफराज ने दूसरी पारी....

प्रभारी मंत्रियों से बोले सीएम योगी, जीतेंगे सभी सीटें, जरूरी है लोगों से संवाद और बूथ प्रबंधन

लखनऊ(एजेंसी)। प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपमुख्यमंत्री, जिलों के प्रभारी मंत्री और भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उपचुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श हुआ और रणनीतियां तैयार की गईं। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 9 सीटों पर उपचुनाव को जीतने के लिए मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित किया। बैठक के दौरान मंत्रियों और पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। यह भी तय हुआ कि उपचुनाव में पार्टी का कोई भी नेता अपने निर्धारित क्षेत्र में जिम्मेदारियों का निर्वहन करने में कोई कमी न छोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपचुनाव जीतना केवल चुनावी सफलता नहीं बल्कि जनता के विश्वास की जीत होगी, इसलिए हर सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया जाना चाहिए। सीएम योगी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक चुनाव प्रबंधन को मजबूती से संभालने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में हर सीट महत्वपूर्ण है और इसके लिए बूथ स्तर पर सटीक प्रबंधन और निगरानी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने और जमीनी स्तर पर लोगों के बीच जाकर चौपाल लगाने के निर्देश दिए। बैठक में

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि चौपाल के माध्यम से जनता की समस्याओं को समझा जाए और उनका समाधान किया जाए जिससे लोगों का विश्वास पार्टी में बढ़े। बैठक में मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि प्रभारी मंत्री और पदाधिकारी उन जिलों में अधिक समय बिताएं जहां उपचुनाव हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें और त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जिलों के स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चुनावी तैयारियों को और सुदृढ़ किया जाए। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी पार्टी की तैयारियों का जायजा लिया और सभी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 9 सीटों के लिए पूरी तैयारी कर चुकी है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी। चौधरी ने विश्वास जताया कि पार्टी न सिर्फ 9 घोषित सीटों पर विजय प्राप्त करेगी बल्कि जल्द ही दसवीं सीट भी घोषित होगी और वह भी भाजपा के खाते में ही जाएगी। बता दें कि जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं उसमें 5 सपा और 5 एनडीए गठबंधन के पास थी। बीजेपी के खाते में 3 सीट थी।

विधानसभा चुनाव में साथ लड़ेगा विपक्षी गठबंधन

81 में 70 सीटों पर उतरेंगे कांग्रेस-जेएमएम के उम्मीदवार

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को रांची स्थित अपने सरकारी आवास पर गठबंधन का एलान किया। सोरेन ने इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद कहा, इंडिया ब्लॉक झारखंड विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेगा। सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के दौरान यह निर्णय लिया गया है कि कांग्रेस और जेएमएम 81 में से 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। जेएमएम और कांग्रेस कितने सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसका खुलासा अभी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। उन्होंने आगे कहा कि शेष 11 सीटों के लिए गठबंधन सहयोगियों आरजेडी और वाम दलों के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत चल रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर की उपस्थिति में सीट शेयरिंग का ऐलान किया। हालांकि, इस मौके पर आरजेडी और वाम दल के प्रतिनिधि उपस्थित नहीं थे। सोरेन बताया कि,राजद और

सीपीआई(एल) से बातचीत के बाद स्थिति साफ हो जाएगी कि, कांग्रेस और जेएमएम किन-किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बता दें राज्य में विधानसभा चुनाव 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में होंगे और मतगणना 23 नवंबर को होगी। वहीं आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा- हम आपके सामने एक खास वजह से आए हैं, हमारा पूरा नेतृत्व हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आग्रह पर यहां आया है। आज सुबह हमारी एक बैठक हुई थी और उस बैठक में यह तय हुआ कि वोटों की ताकत और जनाधार आरजेडी के पक्ष में है। पिछली बार हम 7 सीटों पर लड़े थे क्योंकि लालू जी का दिल बड़ा था, उनका लक्ष्य बीजेपी को बाहर करना था और आज भी लक्ष्य वही है, हम 5 सीटों पर दूसरे नंबर पर रहे। हमारे गठबंधन के बाकी साथी शायद इतनी सीटों पर प्रतिशत के हिसाब से दूसरे नंबर पर नहीं रहे होंगे। जबकि उन्होंने विपक्षी गठबंधन की बैठक पर कहा कि, एकतरफा फैसला लिया गया, अलग-अलग जिलों में हमारी मौजूदगी बहुत मजबूत है, हम अपने गठबंधन के साथियों से आग्रह करेंगे कि वे उसी हिसाब से फैसला लें, हमारे प्रभारी यहां हैं, हमारे प्रदेश अध्यक्ष यहां हैं और कल से हमारे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव खुद यहां हैं।

दिल्ली चुनाव पर आप का पूरा फोकस, पार्टी नेताओं के साथ बड़ी बैठक करेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के सिलसिले में आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल आज पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बैठक शाम 5 बजे दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में होगी। विशेष रूप से, आम आदमी पार्टी के झारखंड और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि पार्टी दो राज्यों में मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा करने के बजाय दिल्ली चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती है, जिससे भाजपा विरोधी वोट बंट सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक पार्टी इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने पर फोकस करना चाहती है। हालाँकि, संगठनात्मक विस्तार के लिए महाराष्ट्र आप इकाई चुनाव में जाना चाहती है, लेकिन आप के शीर्ष नेतृत्व से सहमति मिलने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने आगे बताया, श्हमारा ध्यान दिल्ली पर है और हम महाराष्ट्र में मतदाताओं के मन में और भ्रम पैदा नहीं करना चाहते, जिससे बीजेपी विरोधी वोट बंट जाएं।इस बीच, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में आप के जन संपर्क अभियान की शुरुआत की। आप के जन संपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत, अरविंद केजरीवाल ने व्यक्तिगत पत्रों के माध्यम से दिल्लीवासियों के हर सवाल का व्यक्तिगत रूप से जवाब देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि जनता के मन में कई सवाल हैं, जिनमें मैं जेल क्यों गया? उन सभी सवालों का जवाब देने के लिए मैंने दिल्ली की जनता को एक पत्र लिखा है, जिसे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता 29 अक्टूबर तक दिल्ली के हर घर तक पहुंचाएंगे। दिल्ली में विधानसभा चुनाव 2025 की शुरुआत में होने की उम्मीद है। 2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 70 में से 62 सीटें जीतीं और बीजेपी ने आठवीं सीट हासिल की। इससे पहले, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा चुनाव नतीजों से सबसे बड़ा सबक यह है कि कभी भी अति आत्मविश्वास में न रहें और पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया।

देवभूमि में थूक जिहाद पर सख्त सीएम पुष्कर धामी

देहरादून। खाने में थूकने की घटनाओं को रोकने के लिए उत्तराखंड सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। हाल ही में ध्

मुबारक गुल ने जम्मू- कश्मीर विधानसभा के प्रो टेम स्पीकर की शपथ ली

श्रीनगर (एजेंसी) । जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता एवं विधायक मुबारक गुल को शनिवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा के प्रो टेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलायी गयी। श्री गुल को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां विधानसभा के प्रो टेम स्पीकर के रूप में शपथ दिलाई। श्री गुल सदन के नए अध्यक्ष के चयन और पदभार ग्रहण तक अस्थायी अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। वह विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलाएंगें। उसके बाद सदन नये अध्यक्ष का चुनाव करेगा। अधिकारियों के अनुसार, नये सदस्यों को 21 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे यहां विधानसभा भवन में सदस्यता की शपथ दिलाई जाएगी। उपराज्यपाल ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम की धारा के तहत गुल को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया। श्री गुल श्रीनगर जिले के ईदगाह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से लगातार छठी बार चुने गए हैं।

सामी सरकार ने दिशानिर्देश जारी किए जिनमें अपराधियों के लिए 1 लाख रुपये तक का जुर्माना, होटल और ढाबा कर्मचारियों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन और रसोई में सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल है। मसूरी में ग्राहकों को चाय परोसने से पहले दो लोगों द्वारा सॉस पैन में थूकने का आरोप सामने आने के बाद उत्तराखंड में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। जवाब में, उत्तराखंड सरकार ने ऐसे अपराधों के दोषी पाए जाने वालों पर 25,000 से 1 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना लगाने का फैसला किया। चाय बनाते समय थूकना ही नहीं बल्कि पर्यटकों को परोसने से पहले फलों के जूस के गिलासों में भी कथित तौर पर थूकने की घटनाएं सामने आईं। देहरादून से एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें एक रसोइये को रोटी के लिए आटा बनाते समय कथित तौर पर थूकते हुए देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि उत्तराखंड में खाद्य पदार्थों में थूक और गंदगी मिलाने पर मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया है कि राज्य में इस प्रकार की घटनाओं को बिल्कुल भी सहन नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार इस संदर्भ में एक व्यापक एसओपी जारी की गई है। इसमें आगे लिखा है कि खाद्य पदार्थों में थूक और अन्य गंदगी मिलाने के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 25,000 रुपये से लेकर 1 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि त्योहारों का समय आ रहा है, जिसे देखते हुए सुरक्षा और शुद्धता उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अशुद्धता या असामाजिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों के बाद स्वास्थ्य सचिव व एफडीए के आयुक्त डॉ. आर राजेश कुमार ने विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के साथ 25 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया। कुमार ने इस संबंध में कहा कि हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जूस एवं खानपान की अन्य वस्तुओं में मानव अपशिष्ट एवं अन्य गंदी चीजों की मिलावट के मामले सामने आये हैं, जो खाद्य सुरक्षा एव मानक अधिनियम 2006 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। उन्होंने कहा सभी खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस लेना, उसकी शर्तों का पालन करना तथा खाद्य पदार्थों में स्वच्छता का पालन करना भी अनिवार्य है। अधिकारी ने कहा कि खाद्य पदार्थों को प्रबंधित करते समय धूम्रपान, थूकना, नाक खुजाना, बालों में हाथ फेरना, शरीर के अंगों को खुजाना आदि आदतों पर नियंत्रण रखना होगा क्योंकि इससे खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया के संक्रमण की आशंका होती है।

कनिष्क के पितामह और स्कंदगुप्त काल के हैं तिजोरी में मिले सिक्के, स्वर्णाक्षर भी मिले

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की तिजोरी में मिले सोने के कई सिक्के 2000 साल पुराने कनिष्क के पितामह के काल के हैं। वहीं, कुछ सिक्के एक हजार वर्ष पुराने स्कंदगुप्त के काल के हैं। तिजोरी में मिलीं बौद्धकाल की पांडुलिपियां भी सोने के अक्षरों से लिखीं गई हैं। वर्षों से बंद तिजोरी को 25 साल पहले अंग्रेजी के प्रो.मानस मुकुल दास ने भी खुलवाया था। उसमें मिले दुर्लभ दस्तावेजों को सुरक्षित रखवाने के साथ सूचीबद्ध भी किया था। पूर्व डीन साइंस प्रो. अरुण कुमार श्रीवास्तव, उनकी पत्नी व सीएमपी डिग्री कॉलेज

की अध्यापक रहीं डॉ.हेमलता श्रीवास्तव की पुस्तक इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कीर्तिस्तंभ नामक पुस्तक में इसका पूरा वर्णन है। पुस्तक के अनुसार प्रो. मानस मुकुल दास कुछ समय के लिए पुस्तकालय अध्यक्ष भी रहे। उसी दौरान उन्होंने पुस्तकालय में वर्षों से बंद तिजोरी खुलवाई थी। तिजोरी में 500 ऐतिहासिक महत्व के सिक्के मिले थे। पुस्तक के अनुसार इनमें 2000 वर्ष पुराने कनिष्क के पितामह के काल और 1000 वर्ष पुराने स्कंदगुप्त काल के सोने के अनेकों सिक्के मिले थे। प्रो. दास को पाली में सोने के अक्षरों से लिखीं 16 दुर्लभ पांडुलिपियां भी मिलीं, जो बौद्ध काल की विनाई पिठाका का हिस्सा थीं। पुस्तक के अनुसार तिजोरी में मुगलकाल के कई फरमान भी मिले। साथ ही में कई हस्तलिखित दुर्लभ पांडुलिपियां भी प्राप्त हुईं थीं। इन सभी अमूल्य धरोहरों की सूची बनाकर प्रो. मानस मुकुल दास ने इनको गोदरेज की एक सेफ में सुरक्षित रखवा दिया। इसकी तीन चाभियां कुलपति, डीन कला संकाय व लाइब्रेरियन को इस आशय से सौंप दी। ताकि, इविवि की इन अमूल्य धरोहरों को भविष्य में सहेज कर सुरक्षित रखा जा सके। कुलपति प्रो.संगीता श्रीवास्तव की ओर से गठित विशेषज्ञों की टीम की मौजूदगी में बृहस्पतिवार को फिर तिजोरी खोली गई, जिसमें ऐतिहासिक एवं दुर्लभ दस्तावेज मिले। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इन दस्तावेजों को फिर से तिजोरी में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन्हें प्राचीन इतिहास विभाग के संग्रहालय में रखा जाएगा। ताकि, विवि के विद्यार्थी इन पर अध्ययन कर सकें। प्रो. अरुण कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि तिजोरी के दोबारा खोलने के बाद मिलीं अमूल्य धरोहरों की प्रो.दास के समय तैयार की गई सूची से भी मिलान करा लेना चाहिए। ताकि, इसे सुनिश्चित किया जा सके कि बीच में तिजोरी को खोलकर इन धरोहरों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई है।

31 अक्तूबर तक पीडीए पूरा करेगा 26 सड़कों का चौड़ीकरण, सभी योजनाएं अंतिम चरण में

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) 31 अक्तूबर तक शहर की 26 सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण का काम पूरा करेगा। शहरी क्षेत्र में पीडीए को यह कार्य 41 सड़कों के लिए करना है। साल भर पहले यह कार्य शुरू हुआ था। इसके लिए महीनों तक तोड़फोड़ हुई। अब सड़क तैयार करनी है। महाकुंभ के बजट से पीडीए को कई कार्यों के लिए करीब 400 करोड़ रुपये दिए गए हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की समीक्षा की थी। धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई तो अफसरों की सक्रियता बढ़ गई है। अब सभी कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों को लगाया गया है। वहीं, प्राधिकरण के वीसी डॉ. अमित पाल शर्मा भी रोजाना चार से पांच कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। शुक्रवार को उन्होंने स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और कल्चरल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि 31 अक्तूबर तक 26 सड़कों का काम पूरा हो जाएगा। 15 नवंबर तक 13 सड़कों का और 30 नवंबर तक बची सड़कों का काम पूरा करेंगे। हनुमान मंदिर कॉरिडोर के पहले फेज का काम 15 दिसंबर तक पूरा होगा।

कोर, द्वारा संगम क्षेत्र की सफाई का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज द्वारा प्रयागराज मे लगने वाले महाकुम्भ–2025 के आयोजन को सफल बनाने तथा रेलवे बोर्ड के निर्देशनुसार दिनांक 02 अक्तूबर 2024 से चल रहे "स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 4.0 के अतर्गत श्री

एस. एस. नेगी–मुख्य बिजली इंजी. (च–क) की अध्यक्षता में दिनांक 19ध्10ध्2024 को समय प्रातः 08 बजे से 09 बजे तक संगम क्षेत्र में स्वच्छता सम्बन्धी श्रमदान किया गया। इस कार्यक्रम में श्री कल्याण सिंह–उप महाप्रबंधक एवं श्री विमल कुमार जनसम्पर्क अधिकारी सहित कोर के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान संगम क्षेत्र में प्रभात फेरी निकली गई तथा क्षेत्र में कचरा को एकत्र करके कूड़ा दान में डाला गया। इसी क्रम में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया कि लोग गंदगी न फैलाएँ, कूड़ा इधर उधर फेंकनें की बजाय उचित कूड़ादान में ही डालें, पान गुटका खाकर इधर–उधर न थूकें तथा प्लास्टिक के प्रयोग से बचें जिससे कि महाकुम्भ–2025 को स्वच्छता के साथ सफलता से आयोजित किया जा सके।

100रू के सदस्यता के माध्यम से आम कायस्थो को ट्रस्ट मे भागीदारी देने के निर्णय के बिरोध मे सारे पूँजीपति मठाधीश मेरे खिलाफ लामबंद : डॉ सुशील अध्यक्ष के पी ट्रस्ट

प्रयागराज। केपी ट्रस्ट मे 100रू के सदस्यता के माध्यम से ट्रस्ट मे आम कायस्थो के भागीदारी को लेकर ट्रस्ट मे पूँजीवादी ब्यवस्था समर्थक मठाधीशो तथा पूँजीवादी व्यवस्था बिरोधी ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ सुशील सिन्हा के बीच संघर्ष तेज हो गया इसी बिषय को लेकर आज स्थानीय प्रेस क्लब मे बडी प्रेस वार्ता करते हुए के पी ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा ने कहाँ कि मेरा स्पष्ट मत है कि 100 रू के सदस्यता के माध्यम से आम कायस्थो की भागीदारी हो परन्तु पूँजीवादी ब्यवस्था के समर्थक ट्रस्ट के मठाधीश लामबंद होकर आम कायस्थो के ट्रस्ट मे भागीदारी का बिरोध कर रहे है । जो लोग मेरे बिरूद अविशवास लाए है वह आम कायस्थो हितैषी नही हो सकते वह आम कायस्थो को ट्रस्ट

से दूर रखना चाहते है । यह पूँजीपति मठाधीश के पी ट्रस्ट को अपनी जागीर समझते है । 27 अक्टूबर को आयोजित गवॅनिंग काउंसिल के बैठक मे 100 की सदस्यता का प्रस्ताव पास होना है इसी को लेकर मेरे बिरूद अविशवास प्रस्ताव लाए गया है। ट्रस्ट के पूवॅ महामंत्री कुमार नारायण ने जो अविशवास प्रस्ताव लाया है जो अवैधानिक है जब कुमार नारायण की सदस्यता निलंबित है श्री नारायण ट्रस्ट के प्राथमिक सदस्य ही नही है तो वह अविशवास प्रस्ताव कैसे ला सकते है । साथ ही कुमार नारायण ने जो 720 ट्रस्टियो की अविशवास प्रस्ताव की सूची भेजी है उनमे से 307 ट्रस्टियो की सूची पूरी तरह से जालसाजी दूारा कूटरचित है । मै कायस्थ समाज को एक करने का काम कर रहा हुँ ट्रस्ट के लीगल सेल के दूारा इसमे शामिल सभी के बिरूध मुकदमा दर्ज कराने की अपील की गयी है परन्तु मै अभी तक कोई मुकदमा नही कराया है।

व्यापारियों के तेवर के बैकफुट पर आया पीडीए, सारे नोटिस वापस लेने को तैयार हुए वीसी

प्रयागराज। शहर के कई प्रमुख मार्गों पर स्थित भवनों और प्रतिष्ठानों को एक ही रंग रूप में रंगे जाने मामले पर आज प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के उपाध्यक्ष (वीसी) के साथ शहर के कई व्यापारिक मंडल के पदाधिकारी की बैठक हुई। भवनों को एक रंग में रंगे ना जाने का विरोध करने वाले व्यापारियों को अलग–अलग मामलों में नोटिस दिए जाने के सवाल पर व्यापारियों ने पीडीए वीसी को खूब खरी–खोटी सुनाई। व्यापारियों के तेवर देख वीसी बैकफुट पर आ गए। उन्होंने कहा कि जिन भी व्यापारियों को नोटिस दिया गया है, वह वापस लिया जाएगा। इस दौरान शहर पश्चिमी व्यापार महासंघ के पदाधिकारी ने वीसी से कहा वह लिखित रूप यह बात कहें। अध्यक्ष अखिलेश सिंह, महामंत्री धनंजय सिंह पटेल ने कहा कि बेवजह व्यापारियों पर दबाव न बनाया जा रहा है, जो व्यापारी आर्थिक रूप से कमजोर हैं उनके भवनो के रंग रोगन की जिम्मेदारी पीडीए खुद वहन करे। बैठक में सिविल लाइंस व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुशील खरबंदा ने कहा कि जिन व्यापारियों को नोटिस दिया गया है वह वापस लिए जाएं। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला ने भी यही बात कही। बैठक में आनंद अग्रवाल, शिव शंकर सिंह, संजीव अग्रवाल, राजेश कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे। पीडीए वीसी ने कलर की बाध्यता भी खत्म कर दी। कहा आप लोगों की इच्छा है आप भवनों को कलर करें या ना करें। तय हुआ की पीडीए द्वारा सभी भवन स्वामियों को महाकुंभ मेले का लोगो दिया जाएगा। उसे लोग अपने घरों में लगाएंगे। अलग–अलग मोहल्ले में लोग अलग–अलग रंग की झालर भी अपने भवनो में लगाएंगे।

छात्रसंघ बहाली की मांग को लेकर मानव श्रृंखला बनाएंगे छात्र, बड़ा आंदोलन करने की तैयारी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में छात्रसंघ की बहाली, कुलपति की अवैध नियुक्ति और व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ कई छात्रनेताओं ने बिगुल फूंक दिया है। दीपावली के पहले बड़ा आंदोलन करने की तैयारी की जा रही है। इसकी जानकारी इविवि के छात्रनेता अजय पांडेय ने शनिवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों को दी। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ बहाली समेत अन्य मुद्दों को लेकर तमाम छात्र संगठनों मिलकर एक नया संगठन छात्रसंघ बहाली मोर्चा का गठन किया गया है। इस मोर्चे के बैनर तले छात्र अपनी मांगों को मनवाने के लिए विवि प्रशासन पर दबाव बनाएंगे। विवि में व्याप्त भ्रष्टाचार, छात्राओं की मूलभूत समस्याओं, प्रोफेसरों की अवैध नियुक्ति, पठन पाठन, छात्रावासों में व्याप्त समस्याओं आदि को लेकर छात्र मंगलवार को मानव श्रृंखला बनाएंगे। इसके बाद दीवाली के पहले बड़ा आंदोलन करने की तैयारी जा रही है। इसके लिए डेलीगेसी, छात्रावासों और कैंपस में छात्रों से संपर्क किया जा रहा है। कहा कि जब शिक्षक संघ हो सकता है कर्मचारी संघ हो सकता है तो छात्रसंघ क्यों नहीं हो सकता। इलाहाबाद विवि में 2018 से छात्रसंघ बंद कर दिया गया है। छात्रों के साथ अब और अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कई विभागों में शाही की जगह राजसी स्नान की तारीखों के लगे पोस्टर, अफसरों ने शुरू की तैयारी

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 में शाही स्नान की जगह राजसी स्नान की मांग अब सरकारी कार्यालयों तक भी पहुंच गई है। शासन की ओर से इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं हुआ है लेकिन कई कार्यालयों में इस आशय के पोस्टर लग गए हैं। साधु–संत महाकुंभ में शाही की जगह राजसी स्नान तथा पेशवाई के स्थान पर छावनी प्रवेश किए जाने की मांग कर रहे हैं। कई संत शाही स्नान की जगह अमृत स्नान की भी बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि शाही और पेशवाई फारसी शब्द हैं, जबकि महाकुंभ में सनातन परंपरा के तहत शब्द होने चाहिए। पिछले दिनों प्रयागराज आए मुख्यमंत्री के साथ बैठक में भी संतों ने यह मांग उठाई थी। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव मांगा था। इसके अलावा कुछ दिनों पहले संतों का प्रतिनिधिमंडल लखनऊ में भी मुख्यमंत्री से मिला था और इस मुद्दे को उठाया था। इस पर मुख्यमंत्री का सकारात्मक रुख रहा। ऐसे में अफसर मानकर चल रहे हैं कि महाकुंभ शाही एवं पेशवाई जैसे शब्द हटाए जाएंगे। उनका यह भी कहना है कि कैबिनेट की अगली बैठक में इस पर निर्णय हो सकता है। इसे देखते हुए तैयारी भी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में कई सरकारी कार्यालयों में महाकुंभ के स्नान की तारीखों से संबंधित पोस्टर लगाए गए हैं। इनमें शाही स्नान की जगह राजसी स्नान ही दर्ज किया गया है। इस तरह के पोस्टर कलेक्ट्रेट के कई कार्यालयों में भी लगे हैं। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि कुछ कार्यालयों ने अपने स्तर पर पोस्टल लगवाए होंगे। इसे लेकर अब तक कोई निर्देश नहीं आया है। डीएम रविंद्र कुमार मंदर का कहना है कि शासन का जो निर्देश होगा उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नामांकन पत्र दाखिले के ऐन पहले बसपा ने बदला प्रत्याशी, शिवबरन पासी को पार्टी ने दिया झटका

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने फूलपुर उपचुनाव में अपना प्रत्याशी नामांकन के ऐन पहले बदल दिया है। बसपा ने यहां से शिवबरन पासी को अपना उम्मीदवार बनाया था। नामांकन पत्र दाखिले के लिए पर्चे भी खरीदे जा चुके थे और सोमवार को पर्चा दाखिला करने वाले थे। इसी बीच पार्टी ने अपना निर्णय बदलते हुए शिवबरन का पत्ता काट दिया। जल्द ही बसपा नया प्रत्याशी घोषित कर सकती है। कई नामों पर विचार किया जा रहा है। इसमें हनुमानगंज के कतवारूपुर गांव के रहने वाले जितेंद्र ठाकुर का नाम सबसे आगे चल रहा है। फूलपुर उप चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने मुज्तबा सिद्दीकी को अपना प्रत्याशी बनाया है। मुज्तबा 2022 में भी सपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे और भाजपा प्रत्याशी से कड़ी टक्कर में मामूली मतों से हार गए थे। भाजपा ने अभी तक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए पहले दिन एक भी नामांकन नहीं हुआ। शुक्रवार को 16 लोग नामांकन फार्म ले गए। इनमें बसपा के शिवबरन भी शामिल रहे। भाजपा से उम्मीदवारी का दावा करते हुए समीर त्रिपाठी निराला भी फार्म ले गए, हालांकि भाजपा ने अब तक प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। फार्म ले जाने वालों में समीर त्रिपाठी, शिवबरन, हरिश्चंद्र अग्रवाल, जय सिंह यादव, योगेश कुमार कुशवाहा, मो. नसीम हाशमी, शाहिद खां, कृष्णचंद्र विश्वकर्मा, ख्वाजा नवशाद अहमद, अतुल कुमार, विकास सिंह, सर्वेश कुमार मिश्रा, शिवा सेठ, गायत्री पटेल, शोभा देवी, और रमेश चंद्र वैश्य शामिल रहे। वहीं, हेलीकॉप्टर तथा लक्ष्मी टॉकीज चौराहे पर बैरिकेडिंग करके चारपहिया वाहनों को रोक दिया गया था, हालांकि नामांकन करने कोई नहीं पहुंचा। ऐसे में कलेक्ट्रेट के सामने से दोपहिया वाहनों को जाने दिया गया। बसपा प्रत्याशी शिवबरन सोमवार को नामांकन कर सकते हैं। शुक्रवार को शिवबरन के प्रतिनिधि के तौर पर राजकुमार उनका नामांकन फॉर्म ले गए। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने घोषित प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी को अपना सिंबल दे दिया है। मुज्तबा 23 अक्तूबर बुधवार को नामांकन करेंगे। सपा प्रत्याशी ने शुक्रवार को लखनऊ में पार्टी नेताओं एवं पदाधिकारियों से मुलाकात की। सपा मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल शनिवार को चुनाव तैयारियों के संबंध में पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। उपचुनाव के लिए एमएलसी डॉ. मानसिंह यादव, विधायक संदीप पटेल, पूर्व प्रत्याशी लोकसभा अमर नाथ सिंह मौर्य और जौनपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अवध पाल को सह प्रभारी बनाया गया है।

पुलिस नहीं पेश कर पाई बरामदगी का सबूत, सेक्स रैकेट संचालक जमानत पर छूटा

प्रयागराज। सिविल लाइंस में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट संचालन के मामले में पुलिस की चूक आरोपियों के लिए राहत का सबब बन गई। पुलिस की ओर से कोर्ट में बरामदगी के संबंध वीडियो रिकॉर्डिंग के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई। न ही कार्रवाई के समय किसी स्वतंत्र साक्षी की मौजूदगी का उल्लेख किया गया। नतीजतन सेक्स रैकेट संचालक को जमानत दे दी गई। 30 अगस्त को सिविल लाइंस में बस अड्डे के ठीक बगल स्थित पी स्क्वॉयर मॉल में चार स्पा सेंटरों में सेक्स रैकेट के संचालन का भंडाफोड़ हुआ था। पुलिस ने दावा किया कि मौके से 13 महिलाओं समेत 20 लोग गिरफ्तार किए गए। साथ ही नगदी व मोबाइल फोन के अलावा कंडोम, सेक्सवर्धक दवाएं, ग्लब्स आदि बरामद हुए। अभियुक्तों के बयान के आधार पर मामले में तीन लोगों के नाम प्रकाश में लाए गए जिनमें गौरव कालिया, समीर खान व भानु शामिल हैं। करीब डेढ़ महीने बाद 16 सितंबर को गौरव कालिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। इसके बाद गौरव की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। सूत्रों के मुताबिक, अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि इस प्रकरण के संबंध में पुलिस की ओर से जो भी साक्ष्य, रिकॉर्ड पेश किए गए, उनसे यह स्पष्ट नहीं है कि गिरफ्तारी व बरामदगी की कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग है या नहीं। इसके अलावा बरामदगी व गिरफ्तारी के किसी स्वतंत्र साक्षी का भी उल्लेख प्रपत्रों में नहीं है। इतना ही नहीं आरोपी के पूर्व आपराधिक इतिहास के संबंध में भी कोई जानकारी नहीं दी गई। इस आधार पर आरोपी को जमानत दे दी गई। खास बात यह है कि जिस अभियुक्त का आपराधिक इतिहास पुलिस पेश नहीं कर सकी, उसके खिलाफ कुल चार मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इनमें से वाराणसी में तीन और एक मुकदमा जौनपुर का है। वाराणसी में दर्ज केस में एक आर्म्स एक्ट, दूसरा लूट व तीसरा मारपीट व अन्य धाराओं का था। सोशल मीडिया पर असलहे के साथ फोटो अपलोड करने के आरोप में उस पर कैंट थाने में 2022 में आर्म्स एक्ट का केस दरोगा शांतनु सिंह ने दर्ज कराया था। जौनपुर में दर्ज धोखाधड़ी के मुकदमे में उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इस प्रकरण में एक खास बात यह भी है कि पुलिस अब तक सरगना समीर खान उर्फ अबू सूफियान को नहीं पकड़ सकी। मामले के भंडाफोड़ के दौरान पुलिस अफसरों ने दावा किया था कि सेक्स रैकेट का सरगना वाराणसी का समीर खान है। उसने कोर्ट में एफआईआर निरस्त करने की मांग को लेकर याचिका भी लगाई है। आरोपी के दो मुकदमों की जानकारी मिली थी, जिनमें अंतिम रिपोर्ट लग चुकी है। ऐसे में उसका आपराधिक इतिहास रहा ही नहीं। जहां तक गिरफ्तारी व बरामदगी की कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग की बात है तो इसे सिविल लाइंस थाना पुलिस को पेश करना चाहिए था।

मेला ड्यूटी के नाम पर नहीं चलेगी मौज, मोबाइल एप से लगेगी हाजिरी

प्रयागराज। महाकुंभ मेले में ड्यूटी के नाम पर पुलिसकर्मी मौज–मस्ती नहीं कर सकेंगे। यहां आए पुलिसकर्मियों की हाजिरी मोबाइल एप के जरिये लगेगी। यह फेशियल रिकग्निशन तकनीक पर आधारित होगा, हालांकि पुलिसकर्मी इसका तभी इस्तेमाल कर पाएंगे जब वह मेला क्षेत्र की निर्धारित परिधि में होंगे। एप तैयार किया जा चुका है। इसमें डाटा फीडिंग का काम चल रहा है। मेले में इस बार 15 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। इन्हें संगम क्षेत्र के साथ–साथ अरैल और झूंसी में तैनात किया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों पर नजर रख पाना कठिन है। वह ड्यूटी प्वाइंट पर मौजूद हैं या नहीं, अब तक इस बारे में मैनुअल तरीके से ही पता लगाया जाता रहा है। ऐसे में इस बार मेला पुलिस ने पुलिसकर्मियों की उपस्थिति जानने के लिए तकनीक का सहारा लेने का निर्णय लिया है। एसएसपी महाकुंभ राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि इससे पुलिसकर्मियों को भी सहूलियत मिलेगी। वह मेला ड्यूटी प्वाइंट से ही एप के जरिये हाजिरी लगा सकेंगे। एप से हाजिरी दर्ज करने के लिए पुलिसकर्मी को पहले मोबाइल में अपना जीपीएस ऑन करना होगा। एप खुलते ही उनकी लोकेशन को रीड करेगा। अगर वह मेला क्षेत्र की निर्धारित परिधि में हैं तो उनकी उपस्थिति दर्ज हो जाएगी। इसका पूरा रिकॉर्ड संबंधित अफसर भी एप पर ही देख सकेंगे।

संगम नोज पर कलाकारों ने किया प्रदर्शन, एनसीजेडसीसी में किराए में वृद्धि पर जताई नाराजगी

प्रयागराज। देश के सात राज्यों की कला–संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह की किराया वृद्धि के खिलाफ शुक्रवार को कलाकार सड़कों पर उतर आए। रंगकर्मियों, नाट्य निर्देशकों के साथ लोक नृत्य और गायन की विधाओं से जुड़े कलाकारों ने संगम नोज पर प्रदर्शन किया। इसके बाद लेटे हनुमान जी को प्रथम ज्ञापन अर्पित कर संस्कृति मंत्रालय से किराया वृद्धि वापस लेने की गुहार लगाई। लोक नाट्यविद अतुल यदुवंशी के नेतृत्व में कलाकार दोपहर दो बजे संगम नोज पहुंचे। झंडे, बैनर के साथ संगम तट पर हु वह धरने पर बैठ गए। इस अनूठे प्रदर्शन ने संगम पर हर किसी का ध्यान खींचा। कलाकारों ने मां गंगा का आचमन करते हुए जल में गले तक खड़े होकर एनसीजेडसीसी प्रेक्षागृह की किराया वृद्धि वापस करने के नारे लगाए। इसके बाद बड़े हनुमान जी का दर्शन कर ज्ञापन अर्पित किया। कलाकारों को नेतृत्व कर रहे नाट्य निर्देशक अतुल यदुवंशी ने कहा कि एनसीजेडसीसी का प्रेक्षागृह लंबे समय से कलाकारों के लिए एक रचनात्मक स्थल के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहा है, लेकिन मौजूदा समय अनुचित एवं अन्यायपूर्ण व्यवसायीकरण की नीतियों की वजह से कलाकारों और सांस्कृतिक संगठनों पर किराया वृद्धि के नाम पर आर्थिक बोझ लादा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनसीजेडसीसी के अधिकारियों की ओर से हाल ही में लिया गया।

जिस क्षेत्र में आवास वहीं के वेंडिंग जोन में दुकान

प्रयागराज। अब जिस क्षेत्र में फुटपाथी दुकानदार का आवास होगा, वहीं के वेंडिंग जोन में उन्हें दुकानें आवंटित की जाएंगी। महाकुम्भ के पहले वेंडिंग जोन में दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अभीतक लॉटरी के जरिए वेंडिंग जोनों में दुकानों का आवंटन हो रहा था। लॉटरी के माध्यम से दुकानों के आवंटन में गड़बड़झाला हो रहा था। दर्जनों दुकानदारों ने फर्जी दस्तावेज बनाकर गैर निवास क्षेत्र के वेंडिंग जोन में दुकानें आवंटित करा लीं, लेकिन व्यापार अपने मोहल्ले में कर रहे हैं। नैनी के कई दुकानदारों के सिविल लाइंस के वेंडिंग जोन में दुकानें आवंटित कराने का भी मामला सामने आया। इसी वजह से नवाब यूसुफ रोड, नैनी समेत कई वेंडिंग जोन की दुकानें खाली हैं। कई दुकानदार अपने व्यवसाय के मूल स्थान से वेडिंग जोन में जाना नहीं चाहते। इस समस्या को देखते हुए नगर निगम–डूडा ने वेंडिंग जोन की दुकानों के आवंटन में बदलाव किया। जहां आवास, वहीं दुकान की योजना के तहत अल्लापुर जोन के संगम क्षेत्र में नए वेंडिंग जोन के लिए जमीन की तलाश शुरू हुई।

साहित्यिक समूह की काव्य गोष्ठी संपन्न

'बैंगलुरु (शहर समता समाचार)

साहित्य 24 और शब्द शब्द दर्पण साहित्यिक समूह के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13 अक्टूबर को कुँ० प्रवल प्रताप सिंह राणा ष्प्रवलष के बेंगलुरु स्थित आवास पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ कवि गोष्ठी के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि राशदादा राश थे गोष्टी के अध्यक्ष बेंगलुरु के प्रसिद्ध साहित्य साधक मंच के संस्थापक और वरिष्ठ गीतकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ थे और विशिष्ट अतिथि बेंगलुरु के वरिष्ठ गीतकार और समाजसेवी नंद सारस्वत स्वदेशी रहे । सरस्वती वंदना से प्रारंभ होकर कार्यक्रम ज्ञानचंद जी के अध्यक्षीय उद्‌बोधन पश्चात राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ कार्यक्रम में बेंगलुरु के करीब डेढ़ दर्जन रचनाकारों ने भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत की कार्यक्रम में भाग लेने वाले साहित्यकारों में संदीप उपाध्याय सरल, राधेश्याम यादव सुदर्शन, विनीता लवानिया, एडवोकेट अंजू भारती, रीता सिंह, गजलकार राही राज, प्रीति राही, रामस्वरूप कुशवाहा, लोकगीतकार सुनीता सैनी गुड्डी, गीतकार विजेंद्र सैनी, कुँ० प्रवल प्रताप सिंह राणा ष्प्रवलष और अरुणा राणा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही । साहित्यकारों के अतिरिक्त गणमान्य नागरिकों

डॉ० गौरव जी राणा, सतपाल सिंह, श्रीमती शरद मर्मज्ञ और सुश्री पूजा राज आदि ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । विनीता लवानियां ने सरस्वती वंदना ष्शारदे वर दे माँ, वर तू दे देष प्रस्तुत की, संदीप उपाध्याय सरल ने ष्धारा के प्रतिकूल

है राधा, राधा नाम अनमोल, भव बाधा से तर जायेगा राधे–राधे बोल, प्यारे राधे राधे बोल। और हम सूर्य तेज, हम चपल चंचला , हम वायु का वेग प्रबल, हम भारत माँ के वायु योद्धा वीर धीर गंभीर अटल। रचनाएँ प्रस्तुत कीं। रामस्वरूप कुशवाहा ने अपनी रचनाएँ ष्अजब हैरान होता हूंष देख कर आदमी की फितरत। जिन्दे में खामियां खोजें, मरे की खूबियां कहता। जीते जी रोटी न देता, मरे छप्पन भोग है देताष , और श्मंजिल पे आ के अपनी, तू फिसल न जाना। फिर से पड़ेगा तुझको,चौरासी में आनाष । प्रस्तुत कीं। विनीता लवानियां ने ष्अरी सुनो समझो और संभल के रहना कहीं बहक मत जाना तुम ष और ष्ममतामयी करुणामयी जग जननी अंबे प्रस्तुत कीं । राधेश्याम यादव सुदर्शन ने ष्आओ सुर में सुर मिलाएं, दिल से दिल लगाएं हम। जय हिंद ... गाएं हम। और ष्हे जननी जन्मभूमि तेरी वंदना करें हम। तन मन जीवन हवन कर तेरी अर्चना करें हम।ष प्रस्तुत कीं । अंजू भारती ने

अपनी रचनाएँ ष्लगता है तारा टूट रहा हैष और ष्आई जब संघर्ष की बेला मर्म वेदना में जो पड़े हैंष प्रस्तुत कीं । रीता सिंह ने ष खुश होकर सबको बताती थी वह मेरा बेटा अफसर बन गया हैष और ष्यह मेरा देश किसी ओर जा रहा है बन के दीमक कोई इसको खा रहा हैष प्रस्तुत कीं गजलकार राही राज ने अपनी रचनाएँ ष्राहें कठिन है फिर भी चलना है जिंदगी की दौड़ में गिर के संभालना हैष और ष्कहीं किसी मोड़ पर जरूर मिले होंगे हमष प्रस्तुत कीं । प्रीति राही ने अपनी रचनाएँ ष्गृह आवत लक्ष्मण राम अवध में शोर भयोष और ष्तारा तारण हे मां हम सब शरण खड़ेष प्रस्तुत कीं । सुनीता सैनी गुड्डी ने अपनी रचनाएँ ष्यह लड्डू मोतीचूर के खुशियों से भरे भरपूर हैष और ष्मां ऑनलाइन आओगी या ऑफलाइन आओगीष प्रस्तुत कीं । विजेंद्र सैनी ने अपनी रचनाएँ ष्मातृभूमि है तेरा शत शत वंदन करता हूंष और ष्पाल पोस के पढ़ाई लिखाई क्या–क्या नाज उठाई लव जिहाद में पड़ के छोरी ने पूरी कौम की नाक कटाईष प्रस्तुत कीं , कुँ० प्रवल प्रताप सिंह राणा ष्प्रवलष ने अपनी रचनाएँ ष्मेरा अस्तित्व आपसे है मेरे जनक पिताश्रीष और षपितृपक्ष में प्रभु से प्रार्थना मेरी हैष प्रस्तुत कीं

और अरुणा राणा ने अपनी रचनाएँ प्रसिद्ध गीत ष्आ गये रघुराई बंधवा दो बंदनवार , हर गली सजवा दो सजवा दो द्वार द्वारष और ष्दूजी माँ ने प्यार दिया पिताजी ने सम्मान दिलाया थाष प्रस्तुत कीं विशिष्ट अतिथि समाजसेवी व गीतकार नन्द सारस्वत स्वदेशी ने वर्तमान में विश्व पटल पर भारत और भारतीयों के बढ़ते हुए प्रभाव और सम्मान के उदाहरण दिए और त्रेतायुग में भगवान श्रीराम और सीता जी के जीवन विषयक अपनी प्रसिद्ध रचनाएँ ष्मन में उमडे भाव अनेकों कहती हूं मैं तुमसे देखोष और ष्राम रोए बहुत भेज सीता को वनष प्रस्तुत कीं । मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व विचारक राशदादा राश ने अपना प्रसिद्ध गीत ष्जाने क्यों लगता है ऐसे , मिले थे हम तुम संगम तट परष प्रस्तुत किया , राशदादा राश ने अपने उद्‌बोधन में देश के अंदर व्याप्त कलुषता, कृतघ्नता और पूरी तरह से खराब होती जा रही सामाजिक परिस्थितियों से लड़ने के लिये जय प्रकाश नारायण के आंदोलन की तरह ही सदैव ही आंदोलित रहने की प्रतिबद्धता का आवाह्न किया और उपस्थित साहित्यकारों से इसकी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प कराया। कवि गोष्ठी के अध्यक्ष वरिष्ठ गीतकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ ने अपने प्रसिद्ध गीत ष मैं तो तटबंध पर मौन बैठा रहा, तुम नदी बन के मुझ में लहरती रहीं ष और ष्तेज रफ्तार थी जिंदगी की मगर, हम जहां पर खड़े थे वहीं रह गएष प्रस्तुत किए अपने संबोधन में उन्होंने सभी

साहित्यकारों की रचनाओं का सार्थक व सटीक विश्लेषण किया और इस प्रकार के आयोजनों की सार्थकता को रेखांकित किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का आवाह्न किया जिसका सभी मनीषियों ने स्वागत किया ज्ञातव्य है कि गीतकार ज्ञानचंद मर्मज्ञ हर माह अंतिम रविवार को एक वृहद कवि गोष्ठी आयोजित करते हैं।

साहित्य 24 के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और

शब्द शब्द दर्पण साहित्यिक समूह के संस्थापक–उपाध्यक्ष कुँ० प्रवल प्रताप सिंह राणा ष्प्रवलष ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सभी आगंतुक रचनाकारों व अतिथियों का आभार प्रगट किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की प्रतिबद्धता जताई , राष्ट्रगान के उपरांत फोटो सेशन हुआ और भोजन के दौरान भी सार्थक साहित्यिक चर्चाएं होती रहीं दोपहर से प्रारंभ हुआ ये साहित्य समागम रात्रि के दूसरे पहर तक चला।

पैतृक जमीन पर दबंग पर कर रहे कब्जा, एसडीएम से शिकायत

लालगंज, प्रतापगढ़। दंबगों द्वारा पैतृक जमीन पर अवैध कब्जे के प्रयास को लेकर पीड़ित ने एसडीएम से शिकायत की है। शिकायती पत्र के माध्यम से पीड़ित ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग भी की है। तहसील लालगंज अन्तर्गत लीलापुर थाना क्षेत्र के कांसापुर निवासी चंद्रप्रकाश शर्मा पुत्र स्व0 जगदेव शर्मा ने एसडीएम नैंनसी सिंह को दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि पूरे वीरबल ग्रामसभा में उसकी पैतृक जमीन है। जिस पर वह खेतीबारी करता है। लेकिन करीब दो वर्ष से इस जमीन पर गांव के विपक्षी अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास करते आ रहे हैं। आरोपीगण पीड़ित को खुद उसकी पैतृक जमीन पर खेतीबारी करने से रोकते हैं। पीडित के विरोध करने पर आरोपीगण मारपीट पर अमादा हो जाते हैं। पीडित ने दबंगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसडीएम ने प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

समाधान दिवस में एक सौ छत्तीस शिकायतों में दो का हुआ निस्तारण

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस में लालगंज में एसडीएम व सीओ ने शिकायतों की संयुक्त रूप से सुनवाई की। समाधान दिवस में कुल एक सौ छत्तीस शिकायतें दर्ज हुई। इनमें से दो का अफसरों ने निस्तारण कराया। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की बहत्तर, पुलिस तीस, विकास ग्यारह, विद्युत चार, आपूर्ति छः, बेसिक शिक्षा एक व अन्य बारह शिकायतें विभिन्न विभागों से जुड़ी दिखी। ज्यादातर शिकायतें सरकारी गल्ले की दुकानों में अनियमितताओं व चकमार्गो तथा तालाबी अराजी अतिक्रमण से जुडी दिखीं। एसडीएम नैनसी सिंह ने विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण के लिए मौके पर पुलिस एवं राजस्व टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिये। पुलिस से जुडी शिकायतों की सुनवाई सीओ रामसूरत सोनकर ने की। इस मौके पर एसडीओ विद्युत इं. मनोज त्रिपाठी, प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार, लक्ष्मणपुर सीडीपीओ ममता सिंह, वन क्षेत्राधिकारी एसपी मिश्र, अधीक्षक डा. अरविन्द गुप्ता आदि रहे।

'बेकार की बातों में खुद को बर्बाद ना करेंरू जमीरुद्दीन'

प्रयागराज। वक्त कीमती है बर्बाद न करें। गुजरा हुआ वकध्त वापस नहीं आता। सिर्फ और सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दें। बेकार की बातों में खुद को बर्बाद ना करें। यह बातें फिल्मी एक्टर नसीरुद्दीन शाह के भाई एवं पूर्व वीसी ले. जनरल जमीरुद्दीन शाह अलीगढ़ विवि. ने बतौर चीफ गेस्ट मुस्लिम बोर्डिंग हास्टल में अन्तःवासियों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने दहेज को समाज की एक बुराई बताते हुए कहा कि यह कुप्रथ्था खत्म होना चाहिए। दहेज के बजाए यह पैसा पढ़ाई–लिखाई में खर्च करें। इससे देश की तरक्की बाधित होती है। इसके पूर्व हॉस्टल के प्रेसिडेंट ब्रिगेडियर सय्यद अहमद अली चीफ गेस्ट का स्वागत किया। सेक्रेटरी इकराम अहमद, वार्डन जफरुल्लाह अन्सारी, ट्रस्टी डा. सलमान हाशमी तथा हास्टल अधीक्षक डा. इरफान अहमद खान और हॉस्टल अन्तःवासी मौजूद रहे। अंत में हास्टल मेस में अन्तःवासियों के साथ लन्च किया और छात्रों से कहा कि हॉस्टल को घर की तरह रखरघ्खाव तथा साफ सफाई में हिससा लें।

पुरी पीठाधीश्वर जगदगु: श्रीशंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के लालगंज आगमन को लेकर तैयारियां हुई तेज

लालगंज, प्रतापगढ़। हिन्दू राष्ट्रोत्कर्ष संगोष्ठी में पुरी पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महराज लालगंज में तीन दिनों तक दीक्षा एवं प्रवचन में पधारेंगे। धर्म संघ एवं पीठ परिषद के तत्वाधान में जगदगुरू शंकराचार्य जी संगोष्ठी में राष्ट्र एवं धर्म से जुड़े प्रश्नोंत्तर संवाद में भी सनातन धर्म का गौरव स्थापित करेंगे। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में आगामी बाइस अक्टूबर को संगोष्ठी को लेकर जगदगुरू शंकराचार्य निश्चलानंद सरस्वती जी का आगमन सायं चार बजे होगा। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व मंत्री प्रोफेसर शिवाकान्त ओझा के मुताबिक श्री शंकराचार्य जी तेईस एवं चौबीस अक्टूबर को प्रातः साढेदस बजे से मध्यान्ह बारह बजे तक राष्ट्र एवं धर्म से सम्बद्ध प्रश्नोंत्तर एवं दीक्षा प्रदान करेंगे। वहीं शंकराचार्य जी अपरान्ह तीन बजे से सायं पांच बजे तक धर्म संगोष्ठी में हिन्दू राष्ट्रोत्कर्ष पर प्रवचन प्रदान करेंगे। पुरी शंकराचार्य के आगमन को लेकर लालगंज में तैयारियां भी शनिवार से ही जोरों पर दिखीं। श्रीगोर्वधन मठ के शंकराचार्य जी के स्वागत एवं पुष्पवर्षा के लिए नगर समेत आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। आयोजन समिति के डॉ. शिवशंकर तिवारी तथा इं. पूर्णांशु ओझा, आचार्य रामअवधेश मिश्र, आचार्य उमाशंकर मिश्र, प्रदोष नारायण सिंह आदि संगोष्ठी को भव्यता प्रदान करने में जनसंवाद मे भी सक्रिय दिखे हैं। लालगंज में गोर्वधन मठ के शंकराचार्य जी के आगमन को जगदगुरू स्वामी करपात्री जी की जन्मस्थली तथा देवाधिदेव महादेव बाबा घुइसरनाथ धाम के समीपवर्ती अंचल में एक बड़ा आध्यात्मिक गौरव भी लोगों के बीच उत्साहजनक चर्चा लिए हुए है।

संस्कृत विभाग में वैदिक विज्ञान विषयक आनलाइन संगोष्ठी

प्रयागराज। विज्ञान विशिष्ट ज्ञान है। गीता में भी ज्ञानं विज्ञानसहितं कहा गया है। सभी में एकत्वबोध ज्ञान है और सबको पृथक्–पृथक् अवलोकन करना अर्थात् नानात्वबोध ही विज्ञान है।साइन्स का अनुवाद विज्ञान नहीं है। इसी ज्ञान एवं विज्ञानरूपी वेदार्थज्ञान के लिए 20वीं शताब्दी के आचार्य पण्डित मधुसूदन ओझा ने 228 पुस्तकों की रचना की है। ये प्रथम विद्वान् थे जिन्होंने 1905 ई. में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अपना व्याख्यान दिया। इनको पण्डित मदनमोहन मालवीय जी भी व्याख्यान के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी बुलाया था। इन्होंने प्रतिपादित किया है कि पाश्चात्य जगत् के विज्ञान से भारतीय वैदिक विज्ञान अत्यन्त सूक्ष्म है। वेद ज्ञान ग्रन्थ हैं। दुनिया के सभी लोग वैदिक थे। जिस समय वेद थे उस समय हिन्दू मुस्लिम आदि विभाग नहीं थे। वेद सबके ग्रन्थ थे। कुछ लोगों ने इनसे अपना सम्बन्ध तोड़ लिया। अपना अलग ग्रन्थ बनाया। आज भारत को पुनः उसी वैदिक विज्ञान की आवश्यकता है। दूसरों की नकल करके हम वैश्विक पटल पर स्वयं को प्रतिष्ठित नहीं कर सकते हैं य इसके लिए हमें वैदिक विज्ञान का अनुशरण करना ही होगा। वैदिक विज्ञान, सृष्टि विज्ञान एवं पदार्थ विज्ञान को उनकी दृष्टि से समझना होगा। उक्त बातें संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्रीशंकर शिक्षायतन, वैदिक शोध संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में समायोजित "वैदिकविज्ञान । समग्र दृष्टि" विषयक ऑनलाइन एकदिवसीय वेबिनार के उद्घाटन–सत्र की अध्यक्षता करते हुए जे. एन. यू. नई दिल्ली के आचार्य, प्रो. सन्तोष कुमार शुक्ल ने कहीं। डॉ. अखिलेश कुमार सिंह, माननीय कुलपति, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने इस कार्यक्रम के लिए सभी को अपनी शुभकामना दी। प्रो. विवेक कुमार सिंह, अधिष्ठाता कला संकाय एवं विभागाध्यक्ष संस्कृत ने कहा कि वेद केवल धार्मिक ग्रन्थ ही नहीं है अपितु वैज्ञानिक स्रोत हैं। हमें उनसे परोपकार की भावना को सीखकर उसको प्रासङ्गिक बनाना चाहिए। यदि विज्ञान प्रकृति के काम न आए तो फिर वह फिर विज्ञान नहीं हो सकता। आधुनिक विज्ञान प्रकृति का विनाश कर रहा है जबकि वैदिक विज्ञान प्रकृति का विकास करता था। प्रो. राजकुमार गुप्त, मुख्य कुलानुशासक, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि इतिहास का ज्ञान वेदों से ही प्राप्त होता है। वैज्ञानिक इतिहास के रूप में यह प्रामाणिक स्रोत हैं। वैदिक विज्ञान आधुनिक विज्ञान से भी अत्यन्त समृद्ध था। "स येषां पूर्वेषामपि गुरुः" अर्थात् वेद सभी प्रकार के ज्ञान के आदिस्रोत हैं। अग्नि इत्यादि का आविष्कार वैदिक विज्ञान की ही देन है। आज भी वैदिक विज्ञान उसी प्रकार प्रासङ्गिक है, जैसा उस समय तक था। वैदिक ज्ञान परम्परा आधुनिक ज्ञान परम्परा की अपेक्षा अधिक सशक्त भी थी। स्वागत–उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग एवं उपकुलानुशासक, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने कहा कि वैदिक विज्ञान आधुनिक युग में अत्यन्त ही उपादेय है। विद्वत्–परिचय देते हुए डॉ. लक्ष्मीकान्त विमल, वरिष्ठ शोधा सहायक, श्रीशंकर शिक्षायतन, नई दिल्ली ने कहा कि वैदिक–विज्ञान को उसी की दृष्टि से देखना चाहिए। उद्घाटन–सत्र का संचालन डॉ. पीयूष मिश्र, अतिथि प्रवक्ता, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया झा, अतिथि प्रवक्ता, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। इस कार्यक्रम में वैदिक एवं लौकिक मङ्गलाचरण अनन्तजी मिश्र, शोध छात्र, संस्कृत शोध केन्द्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। इस कार्यक्रम में प्रो. आशुतोष कुमार सिंह, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. मणिशंकर द्विवेदी, डॉ. महविश अंजुम, डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. मनोज कुमार यादव, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. आनन्द त्रिपाठी आदि सहित शताधिक शोधार्थी, विद्यार्थी एवं आगन्तुक उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ. ठाकुर शिवलोचन शाण्डिल्य, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने की। इसमें विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. यीशानारायण द्विवेदी दृ केनोपनिषद् में प्रतिपादित ब्रह्म का स्वरूप, विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. मनीष झा दृ इंद्रविजय में वर्णित मातृका प्रसंग और भारतीय भाषा प्रसंग, विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. प्रिया झा दृ पण्डित मधुसूदन ओझा की दृष्टि में आत्मतत्त्व रू वैदिक विज्ञान के सन्दर्भ में शोधपत्र वाचन दृश्री नितिन त्रिपाठी दृ ब्रह्मविज्ञान में त्रिशरीरविवेक, शोध–पत्र वाचन दृ श्री अनन्त जी मिश्र दृ भारतवर्ष की प्राचीन सीमाओं का वैज्ञानिक स्वरूप, शोध–पत्र वाचन – सुश्री शिखा श्रीवास्तव दृ वेदों में पितर–सम्बन्धी वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोधा–पत्र–वाचन दृ सुश्री महिमा त्रिपाठी दृ मन, वाक, प्राणतत्त्व के आधार पर आत्मतत्त्व का विवेचन आदि का वाचन हुआ। प्रथम सत्र का संचालन पवन मिश्र, शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नितिन त्रिपाठी, शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया। द्वितीय–सत्र की अध्यक्षता प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष संस्कृत, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। इस सत्र में विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. प्रचेतस दृ ऋषितत्त्वनिरूपण रू पण्डित मधुसूदन ओझा जी के सन्दर्भ में, विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. राजकिशोर आर्य –वैदिकविज्ञान – समग्र दृष्टि, विशिष्ट वक्त्री दृ डॉ. चन्दा झा – चतुर्विंशत्याक्षरा गायत्री रू सघ्ष्टि की बीज शक्ति, विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. आरुणेय मिश्र – वैदिकविज्ञान – समग्र दृष्टि, विशिष्ट वक्ता दृ डॉ. प्रेमवल्लभ देवली दृ वैदिक एवं पौराणिक वाड्मय में कर्म सिद्धान्त, शोधा–पत्र–वाचन दृ सुश्री विद्या तिवारी दृअम्भोवाद का वैज्ञानिक स्वरूप, शोधा–पत्र–वाचन दृ श्री अनुराग आजाद दृ वेद एवं धर्म, शोध–पत्र–वाचन दृ श्री प्रेमनारायण पाण्डेय दृ साहित्यशास्त्र मेंशान्तरस की सत्ता, शोध–पत्र–वाचन दृ छोटेलाल यादव दृ पण्डित मधुसूदन ओझा दृष्टि में अक्षरतत्त्व का विश्लेषण, शोध–पत्र–वाचन – श्री कमलेन्द्र दृ पण्डित मधुसूदन ओझा की दृष्टि मेंअम्भोवाद ने शोधपत्र वाचन किया। द्वितीय सत्र का संचालन अनन्तजी मिश्र, शोध छात्र, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं धन्यवाद ज्ञापन शिखा श्रीवास्तव, शोध छात्रा, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने किया।

समस्याओं को लेकर समाधान दिवस में बिफरे वकील, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लालगंज, प्रतापगढ़। वादकारी शेड से गुजर रहे एचटी लाइन के अब तक न बदले जाने से नाराज वकीलों ने समाधान दिवस में आक्रोश जताया। तहसीलदार के रिक्त पद पर तैनाती की भी वकीलों ने मांग उठाई है। वहीं हाल ही में दो साथियों की गिरफ्तारी में स्थान बदलने को लेकर अब तक मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश पारित न होने पर भी अधिवक्ता कुपित दिखे। वकीलों ने संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह तथा महामंत्री सूर्यकांत शुक्ला के नेतृत्व में इन मांगों को लेकर डीएम को संबोधित एसडीएम को ज्ञापन सौपा। संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह ने कहा कि तहसीलदार पद पर पूर्णकालिक तैनाती न होने से वादकारियों तथा काश्तकारों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि लालगंज बाजार में अतिक्रमण तथा जर्जर बिजली तारों से भी लोग परेशान हैं। वकीलों ने पांच सूत्रीय ज्ञापन पर समाधान न होने पर अगले सप्ताह से विरोध की भी प्रशासन को चेतावनी दी है। एसडीएम नैनसी सिंह ने वकीलों को समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र, अनिल त्रिपाठी महेश, अजय शुक्ल गुडडू, संतोष पाण्डेय, अखिलेश द्विवेदी, शैलेन्द्र मिश्र, राहुल मिश्र, सिण्टू मिश्र, अनिल शर्मा, राकेश तिवारी गुडडू, प्रमोद सिंह, आशीष तिवारी, आशुतोष शुक्ला, आदि अधिवक्ता रहे।

अयोध्या धाम के लिए छात्र छात्राओं का शैक्षिक दल हुआ रवाना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के खजुरी स्थित पंडित रामबहोर इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्र–छात्राओं का एक दिवसीय शैक्षिक दल अयोध्या धाम के लिए शनिवार को रवाना हुआ। शैक्षिक दल को विद्यालय के निदेशक रमणेश पाण्डेय तथा प्रबन्धक संजय पाण्डेय ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। शैक्षिक दल में छात्र–छात्राओं के साथ विद्यालय के शिक्षक सौरभ मिश्र, विनोद शुक्ल, शिवम, महेश, संतोष सिंह भी शामिल दिखे। संस्थापक पूर्व प्राचार्य दयाशंकर पाण्डेय ने कहा कि श्रीराम जन्मस्थली अयोध्या में शैक्षिक दल छात्र छात्राओं में देश के सांस्कृतिक गौरव का अनुभव साझा करने में सफल हो सकेगा।

मारपीट व धमकी को लेकर नौ पर केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट व धमकी के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के देवापुर अर्जुनपुर गांव की मोहिनी सरोज पत्नी रंजीत सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर दस अक्टूबर की सुबह करीब नौ बजे बभनी गांव निवासी सुखदेव सरोज अपनी पत्नी सुमन व पुत्रियां रूबी व रूची तथा जियाराम की पुत्रियां तारा व माया एवं पुत्र मुन्ना एवं रामपुर कसिहा निवासी रंजीत पुत्र रामधन तथा पयागीपुर गांव निवासी नान्हू सरोज पुत्र जमुना सरोज एकराय होकर उसके दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। पीड़िता के विरोधा करने पर आरोपियों ने मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि जांच के बाद नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

परमात्मा सम्पूर्ण हैं, आराधना में है जगत का कल्याण- आचार्य नारायणदास

लालगंज, प्रतापगढ़। रानीगंज कैथौला क्षेत्र के अगई स्थित दुर्गन देवी धाम में हो रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड जुटी दिखी। कथाव्यास ऋषिकेश के भरत मिलाप आश्रम से पधारे आचार्य नारायणदास जी ने कहा कि जिस हृदय में भगवान् निवास करते है वह हृदय रागद्वेष तथा अशान्ति से स्वतः मुक्त हो जाया करता है। उन्होनें कहा कि जो मनुष्य परमात्मा को सम्पूर्ण स्वीकार किया करता है उसका सदैव कल्याण हुआ करता है। उन्होनें कहा कि भगवान अनन्त है, उनका सब कुछ अनन्त है। इसलिए मनुष्य को भगवान की पूजा पवित्र मन से करनी चाहिए। आचार्य नारायणदास जी ने कहा कि प्रभु द्वारिकाधीश की आराधना में भक्ति और मुक्ति दोनों जीवन का पुण्य अर्जित किया करती है। उन्होनें कहा कि जगत में परमात्मा के सिवाय कुछ भी नही है। इसी भाव से मनुष्य को संसार में अपना आचरण करना चाहिए। उन्होनें कर्मयोग तथा ज्ञानयोग और ध्यानयोग की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहा कि योग प्रभु को प्राप्त करने का सहज साधन है। उन्होनें कहा कि कर्म योग की पवित्रता ही भक्ति को निखारा करती है। कथा की संयोजिका धाम की प्रबन्धक स्वामी कृष्णानंद सरस्वती जी ने व्यासपीठ का सारस्वत सम्मान किया। इस मौके पर श्यामबिहारी शुक्ल, उमा देवी, लक्ष्मी, सूरज शुक्ला, छेदी मिश्रा आदि रहे।

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा फिर चुने गए राज्य ललित कला अकादमी संस्कृत विभाग उद्र प्रद्रके सम्मानित सदस्य'

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में चित्रकला विषय की मास्टर डिग्री (एम.ए.पेंटिंग) खुलवाने वाले तथा सरकारी स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली उत्तर–प्रदेश सरकार के यूपी बोर्ड के सर्व शिक्षा अभियान के तहत एनसीईआरटी पैटर्न पर कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक की 40 किताबों का चित्रण करने वाले प्रयागराज के प्रसिद्ध चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा को राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश ने पुनः अपना सम्मानित मेम्बर चुना है। विगत वर्षों में कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रयागराज में कला के प्रचार प्रसार हेतु राज्य ललित कला अकादमी की एक क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी, दो–दो राष्ट्रीय चित्रकार शिविर, तीन–तीन ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला तथा उसमें बने चित्रों की शानदार कला–प्रदर्शनियां आयोजित कर प्रयागराज तथा देशभर के कलाकारों को प्रोत्साहित भी किया है। कला के उन्नयन हेतु बैचलर ऑफ फाइन आर्ट के लिए क्रिएटिव आर्ट भाग–1तथा मास्टर ऑफ फाइन आर्ट के लिए क्रिएटिवआर्ट (लक्ष्य)भाग–2 कला की पुस्तकें लिखीं जो विश्वविद्यालय स्तर के कला विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहीं हैं। वह वरिष्ठ कवि भी हैं उनकी कविता की पुस्तक रोटी साहित्य जगत की सेवा में प्रस्तुत है। कला जगत में रवीन्द्र कुशवाहा ने राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सैंकड़ों पुरस्कार प्राप्त करअंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम रोशन किया है इसलिए सरकार ने रवीन्द्र कुशवाहा की कला संवर्धन पर विश्वास जताते हुए पुनः यह जिम्मेदारी सौंपी है। रवीन्द्र कुशवाहा को अकादमी का मेंबर बनाए जाने पर पूरे देश से बधाइयां देने वालों का तांता लगा हुआ है। पूरे देश के कलाकारों में खुशी का माहौल है रवीन्द्र कुशवाहा ने अपने ऊपर विश्वास जताने के लिए अकादमी और उत्तर प्रदेश सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया है और इसको जनता का आशीर्वाद और प्यार माना है।

सम्पादकीय.....

प्रतीकों में उलझी न्यायपालिका

कॉलेजियम प्रणाली के खिलाफ कानून मंत्री, न्यायपालिका के लिए अशुभ संकेतक्या यह न्यायपालिका के खिलाफ युद्घ का एलान है? प्रतीकों के खेल में अब तक इस देश की राजनीति ही उलझी हुई थी, अफसोस है कि अब न्यायपालिका भी इसका हिस्सा बन गई है। न्याय की देवी की मूर्ति में जो फेरबदल किए गए और इसके पीछे जो तर्क दिए गए, वो इस बात का प्रमाण हैं कि न्याय व्यवस्था को त्रुटिहीन और पूरी तरह से दुरुस्त करने की कोशिश की जगह भावनात्मक बातों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की लाइब्रेरी में न्याय की देवी की नयी मूर्ति लगायी गयी है। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर नयी मूर्ति बनी है, जिसमें पुरानी मूर्ति से अलग वेशभूषा और प्रतीक बने हैं। सफेद रंग की मूर्ति में आंखों से पट्टी हटा दी गई है, उसका परिधान भारतीय कर दिया गया है और हाथ में तलवार की जगह संविधान की किताब दी गई है। कहा जा रहा है कि इस बदलाव से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि कानून अंधा नहीं होता। तुलसीदास जी ने रामचरित मानस में लिखा है – जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। अर्थात हम अपनी भावनाओं और नजरिए के अनुरूप ही चीजों को देखते और परखते हैं। आंख पर पट्टी होने को अंधत्व से भी जोड़ा जा सकता है और निष्पक्षता से भी। 1983 से में अमिताभ बच्चन, रजनीकांत और हेमा मालिनी की फिल्म आई थी अंधा कानून। जिसमें दिखाया गया है कि अमिताभ बच्चन याने नायक को एक ऐसे जुर्म की सजा होती है, जो उसने किया ही नहीं, उसके परिवार को भी अत्याचार का शिकार बनाया जाता है और उसके बाद फिल्म में बार–बार ये अंधा कानून है, गीत पार्श्व में बजता रहता है और न्याय देवी की मूर्ति भी दिखाई जाती है, जिसकी आंखों पर पट्टी बंधी है। कानून के अंधे होने की धारणा को फिल्म के जरिए समाज में और मजबूत किया गया। और अब करीब 4 दशक बाद एक प्रचलित धारणा के अनुरूप फैसला लिया गया है। समझा जा सकता है कि देश में हाल के वर्षों में हुए कई बदलावों के पीछे कई बरसों की कोशिश रही है। नेहरू संग्रहालय को पीएम म्यूजियम में बदलना, इंडिया गेट पर नेता जी की मूर्ति, जम्मू–कश्मीर से 370 की वापसी, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, संसद में सेंगोल की स्थापना या इंडियन पीनल कोड, आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता, बीएनएस का लागू होना, ऐसे ही फैसलों की चंद मिसाल हैं। अभी आने वाले वर्षों में अगर हम भारतीय मुद्रा पर गांधीजी की जगह किसी और की तस्वीर देखें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अब तक न्याय की जो मूर्ति देश में हुआ करती थी, वो यूनानी देवी जस्टिया की तरह होती थीं, जिनके नाम पर ही जस्टिस यानी न्याय शब्द बना है। इस मूर्ति की आंखों पर पट्टी का मतलब था कि कानून किसी का ओहदा, धर्म, जाति न देखकर सबके साथ एक जैसा व्यवहार करता है। वहीं अभी जिस तलवार को हिंसा का प्रतीक बताकर हटाया गया है, दरअसल उसके जरिए यह संप्रेषित किया गया था कि कानून के पास ताकत है और वो गलत करने वालों को सजा दे सकता है। पुरानी मूर्ति में तराजू भी देवी के एक हाथ में होता था, वो नयी मूर्ति में बरकरार रखा गया है। जो यह दिखाता है कि अदालत में कोई भी फैसला तर्क की तुला पर ही किया जाएगा। नयी मूर्ति में तराजू अब भी रखा गया है, यह गनीमत है, वर्ना इसे भी किसी आधुनिक डिवाइस से बदला जा सकता था कि तराजू की जगह तौलने–मापने के आधुनिक साधन हमारे पास उपलब्ध हैं। बहरहाल, तलवार को हिंसा का प्रतीक जब मान ही लिया गया है तो फिर विश्वविद्यालय परिसरों में तोपें रखने के औचित्य पर भी विमर्श होना चाहिए। क्या तोप, तलवार से अधिक घातक नहीं होती है। और तलवार हटाकर संविधान रखने के फैसले में राजनीति की छाप नजर आती है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों के दौरान संविधान बचाने का मुद्दा राजनीति के केंद्र में आ गया और तब से अब यह गर्माया हुआ है। भाजपानीत एनडीए सरकार ने संविधानहत्या विरोधी दिवस मनाने का ऐलान भी कर दिया है। वहीं कांग्रेस और इंडिया गठबंधन अब भी जनता को यही बता रहे हैं कि भाजपा के शासन में संविधान को खतरा बरकरार रहेगा। संविधान की रक्षा और सम्मान का विमर्श सियासी गलियारों से उठकर न्यायालय के दरवाजे तक पहुंच जाएगा, यह अनुमान शायद ही किसी ने लगाया हो। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, इन तीनों अंगों के जरिए ही संविधान के पालन की सुचारू व्यवस्था बनाई गई थी। फिर न्यायपालिका में इसके अलग से महिमामंडन की कोई आवश्यकता नहीं थी। बल्कि जरूरत इस बात की थी कि अदालतें संविधान के मुताबिक फैसले तो लें ही, साथ ही कोई इसका उल्लंघन करते दिखे तो स्वतरू संज्ञान लेकर गलत को सही भी करें।जैसे संविधान में धर्मनिरपेक्षता की जो व्यवस्था है उसके मुताबिक सत्ता या प्रशासन में बैठे किसी भी व्यक्ति को सार्वजनिक तौर पर धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। लेकिन हम देखते हैं कि अब पुलिस की वर्दी पहने लोग हवन में बैठते हैं, कांवड़ यात्रा पर फूल बरसाते हैं, संसद के भीतर मंत्रोच्चार होता है और प्रधानमंत्री जजमान की भूमिका में दिखते हैं। क्या अब न्याय की देवी के हाथों का संविधान आने के बाद देश में ऐसी घटनाओं का दोहराव रुकेगा। क्या सत्ता हासिल करने के लिए जिस किस्म के गैरकानूनी तरीके आजमाए गए हैं, उन पर रोक लगेगी। क्या उमर खालिद जैसे लोग जो बिना जुर्म साबित हुए जेलों में बंद हैं और जमानत भी जिन्हें नहीं दी जाती, उनके साथ इंसाफ होगा। क्या खुली आंखों वाली न्याय की देवी कपड़ों से पहचान की बात को अस्वीकार करेंगी। वैसे न्याय की मूर्ति में तब्दीली आने के साथ ही एक खबर आई है, कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि मस्जिद में भगवान राम की प्रशंसा में नारे लगाने में कुछ गलत नहीं है। देश किस तरफ बढ़ चुका है, यह अब साफ नजर आ रहा है।

प्यार की राह में मजहब की दीवारें: लव जिहाद

कुछ दिन पहले (1 अक्टूबर को) बरेली की एक अदालत ने यौन हिंसा के एक मामले में एक मुस्लिम युवक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपने फैसले में न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि यह लव जिहाद का मामला है और पुलिस इसे उस स्वरूप में प्रस्तुत करने में असफल रही है। इस मामले में लड़की हिंदू थी। मुकदमे की कार्रवाई के दौरान लड़की ने यह कहते हुए अपनी शिकायत वापस ले ली थी कि उसे हिंदुत्ववादी संगठनों के दबाव के चलते झूठी शिकायत दर्ज करवानी पड़ी थी। लेकिन न्यायाधीश महोदय ने इन तथ्यों को नजरअंदाज कर दिया। संभवतरू उनके फैसले पर समाज में चल रहे प्रोपेगेंडा का असर था। न्यायाधीश दिवाकर ने अपने फैसले में यह अजीब टिप्पणी की कि–श्मुस्लिम पुरूष, हिंदू महिलाओं से शादी करने के उद्देश्य से उन्हें निशाना बनाते हैं। फैसले में आगे कहा गया श्कुल मिलाकर, मुस्लिम पुरुषों द्वारा गैर–मुस्लिम समुदायों की महिलाओं से प्यार का नाटक कर उनसे विवाह करना और उनका धर्मपरिवर्तन करवाना लव जिहाद है। एक धर्म विशेष के अराजकतावादी तत्व, लव जिहाद के माध्यम से गैर–कानूनी धर्मपरिवर्तन करवाते हैं। उनसे यह सब या तो कोई करवाता है या वे स्वयं यह साजिश रचते हैं...लव जिहाद के लिए बहुत धन की जरूरत होती है। इसलिए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इसके लिए विदेशी धन का इस्तेमाल किया जा रहा हो...। लव जिहाद के लिए विदेशी धन का इस्तेमाल एक नया शिगूफा है। बेहतर होता कि जज साहब यह भी बता देते कि इसके लिए धन किस देश से आ रहा है। लव जिहाद से जुड़ा प्रोपेगेंडा, जिहाद सीरीज का पहला एपीसोड था। अब कई प्रकार के जिहादों की चर्चा आम हो चुकी है जिनमें लव जिहाद के अलावा यूपीएससी जिहाद, फ्लड जिहाद, कोरोना जिहाद आदि शामिल हैं। कुछ घोर साम्प्रदायिक एंकरों को जिहादों की सूची को लम्बा करने में महारत हासिल है। वे मुसलमानों को हर चीज से जोड़ने में सिद्धहस्त हैं – चाहे वो बाढ़ हो या कोई बीमारी। यह छोटे–छोटे मुद्दों को तिल से ताड़ बनाकर एक ऐसे धार्मिक समुदाय, जिसका धर्म विदेशी बताया जाता है, का दानवीकरण करने का मामला है। इस समुदाय को पराया और दुश्मन बताया जाता है और खुलेआम भी और दबे–छिपे तरीकों से भी उस पर हमले किए जाते हैं. यह पराए और दुश्मन वाला नजरिया ही साम्प्रदायिक राजनीति और हिंदू राष्ट्रवादी राजनीति की जड़ में है, जिसका इस समय भारतीय समाज में बोलबाला है। लव जिहाद संबंधी प्रोपेगेंडा बहुत पुराना नहीं है। कुछ दशक पहले केरल के कुछ ईसाई बिशपों ने यह मिथ्या आरोप पहली बार लगाया और जल्दी ही इसे हिन्दू राष्ट्रवादियों ने बड़े पैमाने पर फैलाना शुरू कर दिया। शाखाओं, उसके द्वारा संचालित स्कूलों, मीडिया और सोशल मीडिया के एक हिस्से और आईटी सेलों के कारण आरएसएस की प्रोपेगेंडा फैलाने की क्षमता बहुत अधिक है। जांच के पश्चात यह गलत पाया गया कि कोई ऐसा संगठन है जो हिंदू लड़कियों को फंसाने के लिए मुस्लिम युवकों को धन उपलब्ध करवाता है। लव जिहाद का उद्देश्य क्या है, इसे लेकर कई प्रकार की बातें की जाती है। पहला उद्देश्य बताया जाता है देश की जनसंख्या में विभिन्न धर्मों के अनुपात में बदलाव करना। अभी तक जो प्रोपगेंडा बड़े पैमाने पर किया जाता था वह था कि मुसलमानों की चार बीबियां और चालीस बच्चेश होते हैं और जल्दी ही उनकी आबादी हिंदुओं से अधिक हो जाएगी। अब लव जिहाद और उसके जरिए हिंदू लड़कियों का धर्मपरिवर्तन करना और बच्चे पैदा करना इसमें जुड़ गया है। इसमें अब यह बात भी जोड़ दी गई है कि इन लड़कियों को इस तरह का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि उन्हें इस्लामिक स्टेट के लड़ाकों की फौज में शामिल किया जा सके। लव जिहाद के प्रोपेगेंडा का मुख्य पहलू है उसका पितृसत्तात्मक मूल्यों से जुड़ाव। पितृसत्तात्मकता और धर्म–आधारित राष्ट्रवाद का चोली–दामन का साथ है। देश में साम्प्रदायिक राजनीति के प्रबल होने के साथ–साथ महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और साथ ही बलात्कार की घटनाएं भी। तीस्ता सीतलवाड के अनुसार, श्जिन समुदायों को हमलों का निशाना बनाया जाता है उनकी महिलाओं को उन समुदायों के श्सम्मान का प्रतीकश मानकर खासतौर पर घृणा और हिंसा का शिकार बनाया जाता है। हमने यह विभाजनकाल की हिंसा में 1946–47 में देखा, असम के नेल्ली में 1983 में देखा, दिल्ली में 1984 में देखा, बंबई में 1992–93 और गुजरात में 2002 में देखा। हाल में 2023 में हमने यही मणिपुर में देखा। इसकी वजहें समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक और वैचारिक हैं। हमें यह हमेशा याद रखना चाहिए कि भाजपा पर उसकी विचारधारात्मक पितृ संस्थाओं आरएसएस और हिंदू महासभा का नियंत्रण है– जो अति दक्षिणपंथी संगठन हैं।

वे धर्म का सैन्यीकरण करना चाहते हैं और महिलाओं और उनकी लैंगिकता पर नियंत्रण चाहते हैं।श यहां हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ विचारक विनायक दामोदर सावरकर द्वारा की गई शिवाजी की निंदा का जिक्र प्रासंगिक होगा। शिवाजी की सेना द्वारा लूटपाट के दौरान बंदी बनाई कल्याण के मुस्लिम गवर्नर की बहू को उनके सामने पेश किया गया और शिवाजी ने उसे ससम्मान वापिस भेजने का आदेश दिया। सावरकर ने शिवाजी द्वारा उसे इंतकाम का निशाना न बनाने और वापिस भेजने के निर्णय की आलोचना की। लव जिहाद के बढ़ते शोर–शराबे के बीच इतिहासकार चारू गुप्ता का कहना है कि यह महिलाओं के जीवन पर नियंत्रण रखने का तंत्र है। श्हिंदू दक्षिणपंथियों के इस झूठे दावे कि लव जिहाद फैलाने वाला संगठन हैं जो हिंदू महिलाओं को इस्लाम अपनाने के लिए बाध्य करने के उद्देश्य से प्रेम का झूठा प्रपंच रचते हैं, सन् 1920 में तथाकथित अपहरणों को लेकर किए गए प्रचार जैसा ही है। 1920 हो या 2009, हिंदू पितृसत्तात्मक नजरिया इन अभियानों के साथ बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है। मुस्लिमों द्वारा सताई गई असहाय हिंदू महिलाओं की छवि बड़े पैमाने पर प्रस्तुत की जाती है और महिलाओं के अपनी मर्जी से फैसला करने के वैध अधिकार को नजरअंदाज किया जाता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए ही बजरंग दल की रक्षा बंधन जैसे अवसरों पर दिखाई जाने वाली अतिसक्रियता को देखा जाना चाहिए जब वे हिंदुओं के घरों पर जाते हैं और अभिभावकों को अपनी बेटियों पर नजर रखने की ताकीद देते हैं। इस प्रोपेगेंडा का असर हो रहा है और समाज के विभिन्न वर्गों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। मुस्लिम युवकों पर हमलों के कई मामले सामने आ रहे हैं। प्रियंका टोडी और रिजवान खान के प्रकरण का पटाक्षेप रिजवान खान की त्रासद मृत्यु के साथ हुआ। कई मामलों में इसका ठीक उलट भी होता है जैसे अंकित भंडारी की हत्या उस मुस्लिम लड़की के रिश्तेदारों द्वारा कर दी गई जिससे वह प्यार करता था। हादिया के मामले, जिसमें अखिला अरूना ने धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण कर लिया था, से कई खुलासे होते हैं। उसने अपने मुस्लिम मित्रों से हुई चर्चाओं की वजह से इस्लाम अपनाया। इसके बाद उसने शफीक जहां से विवाह किया। अदालत ने उसे इस आधार पर उसके पिता को सौंपने का आदेश दिया कि उसका ब्रेन वॉश कर दिया गया है और उसे आईसिस में शामिल कर लिया जाएगा। उसने सर्वोच्च न्यायालय तक अपील की जिसने उसका बयान सुनने के बाद उसका पति के साथ रहने का अधिकार पुनरूस्थापित किया। केरल में कई योग केन्द्र खुल गए हैं जो मुसलमानों से विवाह का मन बना चुकी हिंदू लड़कियों को अपना निर्णय बदलने, दुबारा हिंदू धर्म अपनाने और मुस्लिम पुरूष के प्रति प्यार का परित्याग करने के लिए राजी करने का प्रयास करते हैं। कई लड़कियों ने इन केन्द्रों में जोरजबरदस्ती और ब्लैकमेलिंग किए जाने की शिकायत की है. ऊपर जिस अदालती फैसले का जिक्र किया गया है, वह दिखाता है कि यह प्रोपेगेंडा न्यायाधीशों सहित समग्र रूप से हमारे समाज पर किस तरह का प्रभाव डाल रहा है। कम से कम न्यायाधीशों से तो यह अपेक्षा की ही जा सकती है कि उनके फैसले ठोस तथ्यों पर आधारित हों।

पाक में जयशंकर

राहुल सिंह

"नई दिल्ली द्वारा इस यात्रा को हरी झंडी देना ही इस बात का प्रबल संकेत है कि पर्दे के पीछे से की जा रही कूटनीति सार्थक रही है। दरअसल, शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने के लिये विदेश मंत्री के इस्लामाबाद जाने के निर्णय ने कई उम्मीदें जगायी हैं।"

भले ही इस्लामाबाद में भारत–पाकिस्तान की द्विपक्षीय वार्ता नहीं थी, लेकिन लगभग नौ साल बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा के गहरे निहितार्थ हैं। नई दिल्ली द्वारा इस यात्रा को हरी झंडी देना ही इस बात का प्रबल संकेत है कि पर्दे के पीछे से की जा रही कूटनीति सार्थक रही है। दरअसल, शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने के लिये विदेश मंत्री के इस्लामाबाद जाने के निर्णय ने कई उम्मीदें जगायी हैं। एससीओ सम्मेलन में भाग लेने जाने से पहले एस जयशंकर ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान को लेकर भारत की विदेश नीति निष्क्रिय नीति नहीं है। निश्चित रूप से भारत सरकार की ओर से यह संकेत देने का प्रयास किया गया कि दिल्ली किसी भी सकारात्मक संकेत का जवाब देने के लिये पूरी तरह से तैयार है। ऐसा भी नहीं है कि पाकिस्तान की राजधानी में एससीओ सम्मेलन में एस जयशंकर अपनी दो टूक बात करने से चूके हों। उन्होंने इस्लामाबाद को साफ–साफ शब्दों में इस मंच के जरिये सभ्य तरीके से सुना दिया कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को प्रश्रय देने वाली नीति ही संबंधों में बाधक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों

में कहा कि ये नीतियां व्यापार गतिविधियों, ऊर्जा प्रवाह, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के संवाद–संबंध बनाने में बाधक बनती हैं। उन्होंने अतीत में एक मंच पर भारत–पाक के बीच पैदा होने वाली परंपरागत कटुता को दरकिनार करते हुए भी कड़े शब्दों में भारत की नीति को जाहिर कर दिया। वहीं दूसरी ओर भले ही शिखर वार्ता की अभी कोई स्थिति बनती नजर नहीं आ रही है, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर की अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के साथ अनौपचारिक बातचीत से द्विपक्षीय संबंधों में लंबे समय से उत्पन्न रुकावट खत्म होने की उम्मीद जरूर जगी है। बहरहाल, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि घात और बात की नीति साथ–साथ नहीं चल सकती। जिस ओर एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन मंच का उपयोग करते हुए स्पष्ट इशारा किया भी है। बहरहाल, इतना तो तय है कि यदि पाक अपनी पुरानी नीतियों को नहीं बदलता तो रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने की कोई गुंजाइश नहीं बचती। वैसे यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान की रीतियों–नीतियों के चलते उससे सीमित जुड़ाव बनाये रखना भारतीय सरकारों के लिये भी एक चुनौती बनी हुई है। इस्लामाबाद, अन्य शब्दों में कहें तो पाकिस्तान सेना मुख्यालय रावलपिंडी की, बार–बार विश्वास को खंडित करने की नीति संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रयासों में संदेह को जन्म देती है। यह एक हकीकत है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने की पाक की नीति के चलते मेज पर वार्ता न करने के इच्छुक भारत को अपने अविश्वसनीय पड़ोसी के साथ संबंधों के विकल्प तलाशते रहने चाहिए। जिसमें बातचीत का माध्यम खुला रखना भी शामिल हैं। क्रिकेट डिप्लोमेसी भी अतीत की तरह भारत के लिये मददगार हो सकती है या नहीं, इस पर भी विचार करने की जरूरत है। लेकिन ये प्रयास लंबे समय से दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ को पिघलाने में मददगार हो सकते हैं। निश्चित तौर पर एस. जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के सार्थक समापन को एक रचनात्मक उपलब्धि के तौर पर तो देखा जा सकता है। भले ही यह एक छोटा कदम हो, लेकिन आगे बढ़ने की दिशा में इस छोटे कदम को भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि भौगोलिक रूप से पाकिस्तान हमारा पड़ोसी है, जिसे बदला नहीं जा सकता। निश्चित रूप से अब गेंद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पाले में है कि संबंधों को ईमानदारी से आगे बढ़ाने में वे कितनी शराफत दिखाते हैं। हालांकि, संबंधों को मजबूत करने में उनके भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का ट्रैक रिकॉर्ड विश्वास करने लायक नहीं रहा है। वैसे भी भारत से संबंधों की नई पहल करने से शरीफ को पहले पाकिस्तान सेना से निपटना होगा। जो पर्दे के पीछे से पाकिस्तानी लोकतंत्र को चला रही है। बहरहाल, नई दिल्ली की इसके नतीजे को लेकर उत्सुकता से नजर रहेगी।

स्वागत लाथार्थी के तौर पर नागरिक

सुभाष गाताडे

सूबाई चुनावों का ऐलान हो चुका है, महाराष्ट्र और झारखंड में अगले माह के अंत तक नई सरकार का गठन होगा। वैसे इस ऐलान के ऐन पहले एक कर्तव्यनिष्ठ पत्रकार द्वारा महाराष्ट्र सरकार को भेजी लीगल नोटिस चर्चा का विषय बनी रही। इस नोटिस का फोकस महाराष्ट्र सरकार द्वारा आनन–फानन हाल में शुरू की गयी श्लाडकी बहिणश योजना से है, जिसके तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रूपए दिए जाएंगे। याद रहे लोकसभा चुनाव में जब महाराष्ट्र में भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन को विपक्षी इंडिया गठबंधन की तुलना में कम सीटें मिलीं,तब इस योजना को शुरू किया गया। नोटिस में कहा गया है कि सरकार का यह दावा कि इतनी मासिक सहायता महिलाओं के लिए काफी होगी, तथ्यों से परे है, इतना ही नहीं ऐसी खैरात निर्भरता की संस्कृति को बढ़ावा देती है और वह कल्याणकारी राज्य के समूचे विचार को खत्म कर देती है। इस खास मामले में सरकार का जवाब जो भी हो, इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि इस लीगल नोटिस ने बेहद जरूरी सवाल उठाए हैं। इसमें कहा गया है कि इस योजना के लिए सरकार ने प्रति साल 46,000 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया है और इसे पूरा करने के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया से तीन हजार करोड़ रुपए का कर्जा भी ले लिया है। उनके मुताबिक यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को और नाजुक कर देगा तथा उसका राजकोषीय घाटा तीन फीसदी से लेकर 4,6 फीसदी तक पहुंच जाएगा। वित्तीय तथा अन्य मामलों के अलावा इस नोटिस ने अन्य सवाल उठाए हैं, मसलन महिलाओं के लिए बनी इस योजना से ट्रांसजेंडर महिलाओं को बाहर रखा गया है और सबसे अहम बात यह है कि यह योजना राज्य और स्त्रियों के बीच के रिश्ते को भाई–बहन के गतिविज्ञान में देखता है, जो संविधान निर्माताओं द्वारा नजरिये को उलट देता है, जो इसे राज्य और नागरिक के बीच के सम्बन्ध के तौर पर देखता है। इस हस्तक्षेप को लेकर यह प्रतिक्रिया सबसे पहले सुनने को मिल सकती है कि इस योजना में अनोखा कुछ नहीं है। मध्यप्रदेश में शुरू की गयी लाड़ली बहिना योजना की बात की जा सकती है– जिसे शिवराज सिंह चौहान की पूर्व सरकार ने शुरू किया था और बाद में कहा गया था कि भाजपा को लोकसभा चुनावों में जो जीत मिली इसके पीछे इसी योजना का हाथ रहा है– जिसके तहत भी महिलाओं को हर माह कुछ निश्चित रकम दी जाती है। मुमकिन है केन्द्र सरकार द्वारा 80 करोड़ भारतीयों के लिए हर माह पांच किलो अनाज देने की बात भी कोई कर सकता है जो आने वाले पांच साल तक चलेगी, उसका भी इसके तहत उल्लेख हो।ऐसी योजनाओं की प्रचुरता का– जिनमें से कई योजनाएं विपक्षी पार्टी की सरकारों ने भी शुरू की हैं – मतलब यह कत्तई नहीं है कि हम उन सवालों को सामने न रखें, जो पहले से उठे न हों। दरअसल इससे जुड़े अन्य मामलों के चलते उसकी अहमियत बढ़ गयी है बिना किसी पूर्वयोजना के चुनावों के ऐन पहले शुरू की गयी इस योजना का मतलब यह भी है कि इससे सरकार की पहले से चली आ रही योजनाओं पर भी गहरा असर पड़ेगा। पहले से जिन हाशियाकृत तबकों को सबसिडी दी जाती रही है, उसमें कटौती होगी या विलंब होगा। मालूम हो कि इस बात को सरकार के आलोचक नहीं बल्कि खुद केन्द्र सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी ने उठाया है। राज्य की पहले से चली आ रही नाजुक वित्तीय स्थिति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि–जब राज्य पहले से ही कर्जे में डूबा है तो ऐसी योजना की व्यावहारिकता प्रश्नों के घेरे में है। अगर हम घटनाक्रम की तरफ गौर से देखें तो यह साफ है कि राज्य ने नागरिकों के अपने हित से जुड़े मामले में निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता से पूरी तरह इन्कार किया है। दूसरे, जल्दबाजी में शुरू की गयी यह योजना एक तरह से नागरिकों की श्बौद्धिक क्षमताश को भी कम आंकती है और लोगों में आपस में ही संदेह और अविश्वास पैदा करती है। इसका मतलब और कुछ नहीं बल्कि नागरिक और जनतंत्र के बीच जो एक खास किस्म का रिश्ता बना हुआ है – जहां नागरिक अपने अधिकारों की मांग कर सकते हैं, उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि अधिकार हासिल होते है और राज्य का कर्तव्य होता है कि वह उन्हें पूरी करे – को एक तरह से भंग कर देना या तोड़ देना। शायद हुक्मरानों को यह लगता हो कि ऐसा रिश्ता अब पुराना हो गया है और उन्हें लगता हो कि पुराने दिन ही लौटाए जा सकें, जहां जनता प्रजा के तौर पर उपस्थित होती थी, जो शहंशाहों और राजे–रजवाड़ों की कृपादृष्टि पर निर्भर होती थी। हम हाल के वर्षों में उन घटनाओं को याद कर सकते हैं कि किस तरह देश की वित्तमंत्री ने एक सार्वजनिक वितरण योजना की दुकान पर दुकानदार को इसलिए डांटा कि उसने प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर नहीं लगाई थी या खुद प्रधानमंत्री मोदी ने ही एक जनसभा में किस तरह ऐसी सहायता को लेकर जनता क्या सोचती है, इसका किस्सा बयान किया था। इस तरह आज हम यही देख रहे हैं कि गणतंत्र के 75 वे वर्ष में एक आम नागरिक जो अधिकार सम्पन्न व्यक्ति है, उसे राज्य की दया पर छोड़ा जा रहा है। यह एक किस्म के नए रिश्ते को स्थापित करना है जहां नागरिक के बजाय वह एक लाभार्थी के तौर पर उपस्थित रहे। 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही विश्लेषकों ने इस किस्म की संभावना प्रकट की थी। अपने पहले ही भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐलान किया था कि उनकी सरकार गुड गवर्नेंस का सूत्रपात करेगी, जिसका सूत्र वाक्य होगा कि श्न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासनध्यावर्नेंसश. यह एक बाहर से आकर्षित करने वाला विचार था, लेकिन उसकी वास्तविकता लोगों के सामने तभी स्पष्ट की गयी थीं। विश्लेषकों ने बताया था कि उसका मतलब है। कल्याणकारी खर्चों में कटौती या कम से कम इस बात को स्थापित करना कि आर्थिक तौर पर वह एक गलत विचार है। इसके तहत चुने हुए राजनीतिक प्रतिनिधियों के बजाय नीति निर्माण में बिना चुने गए विशेषज्ञों को वरीयता देने की बात थी। जहांपारदर्शिता, जवाबदेही, सशक्तिकरण या नागरिक सहभागिता जैसी बातों को इस गुड गवर्नेंस के एजेण्डा में शामिल किया गया था, लेकिन उनके सामने कोई सामाजिक रूपांतरण का संदर्भ नहीं था बल्कि वह गुड गवर्नेंस के नवउदारवादी विजन का ही हिस्सा था।

मीरा चोपड़ा

का दर्द, बोलीं...

बॉलीवुड में आउटसाइडर फील होता है, थाली में परोसा हुआ जैसा कुछ नहीं मिला

प्रियंका चोपड़ा की कजिन सिस्टर मीरा चोपड़ा ने साउथ इंडस्ट्री की कई फिल्मों में काम किया है। हालांकि, उनका बॉलीवुड करियर ज्यादा कुछ खास नहीं रहा। अब हाल ही में मीरा चोपड़ा ने एक पॉडकास्ट में अपने बॉलीवुड सफर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे बॉलीवुड में एक आउटसाइडर फील होता है।'

मीरो बोलीं– हमारी फैमिली काफी क्लोज थी

हिटफ्लिक पॉडकास्ट में मीरा चोपड़ा ने प्रियंका चोपड़ा संग अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'हमारे पिता चचेरे भाई हैं। जब हम छोटे थे, हमारी फैमिली काफी क्लोज थी। हम लोग मिडिल क्लास से आते हैं। किसी ने नहीं सोचा था कि हम ग्लैमर की दुनिया में जाएंगे। जब प्रियंका ने इस फील्ड में एक मुकाम हासिल किया, तो उसने हम सभी के लिए रास्ता खोला। वरना, मुझे लगता है कि उस समय, कोई भी मिडिल क्लास से आने वाला व्यक्ति सिनेमा में अपना करियर नहीं बनाना चाहेगा।

बॉलीवुड इंडस्ट्री कल्ट जैसी है– मीरा चोपड़ा

मीरा ने कहा, श्मैं जब बॉलीवुड में काम की तलाश कर रही थी, उस वक्त काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। मेरे लिए ऐसा बिल्कुल नहीं था कि मुझे सब कुछ एक थाली में परसों हुआ मिला हो। यह एक बिजनेस जैसा है। आपको यहां खुद अपने कनेक्शन बनाने पड़ते हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री कल्ट जैसी है। आपको यहां एक ग्रुप का हिस्सा बनना पड़ता है, ताकि आपको काम मिलता रहे। मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया, इसलिए मुझे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्टार किड्स से भरा पड़ा है बॉलीवुड

मीरा आगे कहती हैं, श्आज बॉलीवुड पूरी तरह से स्टार किड्स से भरा पड़ा है। हालांकि, इससे दिक्कत नहीं है। लेकिन अगर स्टार किड्स में एक्टिंग के कोई गुण नहीं है। फिर भी उन्हें लगातार प्रोजेक्ट मिलते हैं, तो इससे उनका नुकसान होता है, जो वास्तव में काबिल होते हैं।

तमिल फिल्म से शुरू किया था एक्टिंग का सफर

मीरा चोपड़ा अब तक हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं की कई सारी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मीरा ने 2005 में तमिल फिल्म अनबे आरुइरे से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। दूसरी फिल्म बांगरम थी, जो तेलुगु भाषा में थी। इसके बाद विक्रम भट्ट की फिल्म 1920रू लंदन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा मीरा गैंग ऑफ घोस्ट्स, नास्तिक, सेक्शन 375 जैसे फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।प्रियंक के साथ अपने पॉइंट के बारे में बात करते हुए मीरा ने हिटफ्लिक से कहा, ष्हमारे पिता चचेरे भाई–बहन हैं। जब हम छोटे थे, तब हम एक बहुत ही करीबी परिवार थे। बहुत मध्यम वर्ग। जब हम छोटे थे, तो किसी ने वास्तव में नहीं सोचा था कि हम ग्लैमर क्षेत्र में आएंगे। जब प्रियंका ने अपनी सफलता हासिल की, तो उन्होंने तैयारी छोड़ दी। अन्यथा, मुझे लगता है, उस समय मध्यम वर्ग ने कभी सिनेमा को प्रभावित किया था में नहीं माना। लोग दार्शनिकों और विद्वानों से आगे नहीं थे।ष

मीरा ने 2005 में तमिल फिल्म अनबे अरुइरे से अपने अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने अपने सफल कलाकारों को याद करते हुए कहा था, ष्दक्षिण में, मैंने कभी आउटलुक काम की तलाश नहीं की थी। मुझे साउथ में भी नहीं देखा क्योंकि मैं एक बहुत ही उत्तर भारतीय पंजाबी लड़की हूं। मेरे लिए एक दोस्त रही है। मैंने खुद से कहा, श्यह मेरी आखिरी फिल्म होगी।श जब वे मुझे पैसे दे रहे थे और जो दे रहे थे, वे बहुत आकर्षित थे।ष

हालाँकि, मीरा का बॉलीवुड में सफर इतना आसान नहीं था, जहाँ उन्हें बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी। उन्होंने कहा, ष्मैंने ऐसे लोगों की कहानियां सुनीं जो साउथ में काम करने के लिए बेताब थे, लेकिन उन्हें गलत लोग मिल गए। मुझे कभी ऐसा नहीं झेलना पड़ाय असल में, मुझे बॉलीवुड में इसका सामना करना पड़ा। यहां, मैं बाहर हूं।ष व्यापारी काम की तलाश कर रही थी। मुझे कभी भी काम आसानी से नहीं मिला।ष

कहानियाँ जो आपको पसंद आ सकती हैं

उन्होंने आगे कहा, ष्शुरुआत में यह थोड़ा डरावना था। यह एक बहुत ही घनिष्ठ उद्योग है। बहुत से लोग नहीं जानते कि अंदर क्या होता है। कोई नहीं जानता कि कहां से शुरू करें। जब मैं यहां आई, तो मुझे नहीं पता था कि मुझे किसी खास निर्देशक से मिलना है या नहीं और मुझे इसके बारे में कैसे सोचना है। कोई भी अपना नंबर साझा नहीं करता है और अगर करता भी है, तो वह व्यक्ति आपके संदेशों का कभी जवाब नहीं देता है।ष

मीरा ने कहा कि जब उन्होंने हिंदी इंडस्ट्री में काम की तलाश करने का फैसला किया तो उन्होंने अपना श्अहंकार और रवैयाश त्याग दिया। मीरा ने बताया, ष्मैं एक बहुत ही सफल करियर से आई हूं और मुझे पूरा भरोसा था कि मैं इसमें सफल हो जाऊंगी। जब आप एक इंडस्ट्री में सफल करियर से आते हैं, तो दूसरे में नए सिरे से शुरुआत करना मुश्किल हो जाता है।ष

अमीषा पटेल का एयरपोर्ट लुक देख फैंस की बढ़ी धड़कनें

अमीषा पटेल को पैपराजी ने एयरपोर्ट पर कुछ इस लुक–बुक में स्पॉट किया, देखें उनका किलर ग्लैमरस स्वैग।

जिम के बाहर अनन्या पांडे ने दिए जमकर पोज

अनन्या पांडे को पैपराजी ने पाली हिल में जिम के बाहर कुछ इस अंदाज में कैप्चर किया, देखें उनका वर्कआउट लुक।

पेरिस में कुछ ऐसे एंजॉय करती दिखीं राशा थडानी

राशा थडानी पेरिस में खुले आसमान के नीचे धूप और बादलों का नजारा एंजॉय करती हुई दिखाई दे रहीं हैं, क्या आपने देखीं ये फोटोज।

टीवी पर आने वाले दिनों में कई एक्टर्स का कमबैक देखने को मिलने वाला है. फैंस अपने फेवरेट एक्टर्स को स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं. टीवी की दुनिया में कई एक्टर्स कमबैक करने वाले हैं. इस लिस्ट में आयशा सिंह से लेकर तन्वी हेगड़े तक का नाम शामिल है. शिवम खजूरिया शो अनुपमा में लीड रोल निभाने वाले हैं. वो पहले शो ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर आए थे. अब उन्हें अनुपमा में लीड रोल मिला है. अनुपमा में लीप के बाद शिवम ही मैन किरदार में होंगे. मिश्कत वर्मा की भी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग हैं. फैंस उन्हें स्क्रीन पर काफी पसंद करते हैं. रिपोर्ट्स हैं कि उन्हें भी नया प्रोजेक्ट मिला है. अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है. लेकिन फैंस उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं. सोनपरी की फ्रूटी (तन्वी हेगड़े) तो हर 90 किड्स की जान हैं. बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक, तन्वी हेगड़े भी स्क्रीन पर नजर आने वाली हैं. वो शो अनुपमा में किंजल–तोषू की बेटी परी के रोल में दिख सकती हैं. अभी तक इसे लेकर ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं है. अदिती शर्मा के भी जल्द ही डेली सोप में कमबैक करने की खबरें हैं. रिपोर्ट्स हैं कि वो शो ।चचवससमदं में लीड रोल प्ले करती दिखेंगी. अलीशा परवीन जल्द ही टीवी के टॉप शो अनुपमा का हिस्सा बनने वाली हैं. वो शो में लीड रोल प्ले करेंगी. शो में वो आध्या के रोल में दिखेंगी. शो का प्रोमो भी रिलीज कर दिया गया है. आध्या के रोल में उन्हें देखना मजेदार होगा. प्रियांशी यादव को शो पंड्या स्टोर से फेम मिला था. अब वो जल्द ही शो डोरे 2 में लीड रोल में नजर आएंगी. आयाशा सिंह को फैंस सई के किरदार के लिए जानते हैं. वो शो गुम हैं किसी के प्यार में नजर आई थीं. अब खबरें हैं कि वो कलर्स के एक नए सीरियर में नजर आने वाली हैं. सुरभि चंदना भी कमबैक करने वाली हैं. उन्हें पिछली बार शो शेरदिल शेरगिल में देखा गया था. अब रिपोर्ट्स हैं कि वो शो ।चचवससमदं में कैमियो रोल प्ले करती दिखेंगी.

रुबीना दिलैक हाल ही में एक फैशन शो का हिस्सा बनी थीं। रुबीना हेवी लहंगे में वॉक कर रही थीं तभी उनका पैर हील में फंस गया, जिससे वो गिरने से बाल–बाल बचीं। इस इंसीडेंस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें रुबीना ने बेहतरीन ढंग से खुद को संभालते हुए अपनी वॉक पूरी की है। सामने आए वीडियो में रुबीना ने गुलाबी लहंगे के साथ ट्यूब ब्लाउस कैरी किया है। एक्ट्रेस ने खुले बालों और मिनिमल ज्वेलरी के साथ स्टेट पर रैंप वॉक की। रुबीना जैसे ही मंच के बीच में पहुंचीं, उनका पैर लहंगे से उलझ गया, जिससे वो बैलेंस खोते हुए गिरने लगीं। बैलेंस बिगड़ने के बाद रुबीना ने मंच पर एक–दो सेकेंड का ब्रेक लिया और फिर झटकते हुए अपने दोनों पैरों से सैंडल उतार दी। इसके बाद उन्होंने अपनी वॉक पूरे कॉन्फिडेंस के साथ दोबारा शुरू की। मंच के आगे की तरफ जाकर रुबीना ने हार्ट साइन के साथ दर्शकों को प्यार दिया। रुबीना का कॉन्फिडेंस देखकर जहां कई लोग उनकी सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, ये कॉन्फिडेंस नहीं ओवर कॉन्फिडेंस है। दूसरे यूजर ने लिखा है, कुछ ज्यादा ही ओवरकॉन्फिडेंस में वॉक कर रही थी। एक यूजर ने लिखा, ये ओवरएक्टिंग और ओवरकॉन्फिडेंस का कॉन्बिनेशन है।

करवा चौथ पर अपनों को परोसें जाफरानी खीर, इस आसान विधि के साथ झटपट करें तैयार

करवा चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। प्यार और पवित्र बंधन के प्रतीक स्वरूप महिलाएं अपने पति के लिए करवा चौथ पर दिन भर निर्जला व्रत रखती हैं और रात में उन्हीं के हाथों पानी पीकर अपना व्रत तोड़ती हैं। भारतीय त्योहार तरह–तरह के व्यंजनों के बिना अधूरे से लगते हैं। जब भी कोई त्योहार होता है घर पर गुजिया, गुलाब जामुन से लेकर तरह–तरह के पकवान बनना तय होता है। करवा चौथ पर भी महिलाएं तरह–तरह के व्यंजन बनाती हैं। मीठे से लेकर तीखे तक, थाली में सब मौजूद होता है।

खीर भारत के सबसे चर्चित और पसंदीदा व्यंजनों में से एक है। करवा चौथ पर भी महिलाएं खीर बनाती हैं। लेकिन अगर आप अब भी अपनी खीर की रेसिपी से खुश नहीं हैं तो चलिए आपको केसर जाफरानी खीर की ऐसी आसान रेसिपी बताते हैं, जिसे आप व्रत की थकान के बीच भी आसानी से तैयार कर सकती हैं और इसे खाकर आप अपने दिन भर के व्रत की थकान भी भूल जाएगी और आपके अपने भी खुश हो जाएंगे।

जाफरानी खीर की सामग्री

1 लीटर दूध

1 कप चावल

10–15 केसर के लच्छे

150 ग्राम चीनी

2 बड़े चम्मच बादाम, काजू, पिस्ता, किशमिश (बारीक कटे)

1 छोटे चम्मच इलायची पाउडर

1 चम्मच घी

जाफरानी खीर बनाने की आसान विधि

स्टेप 1– सबसे पहले चावल को अच्छे से धोकर पानी में कुछ घंटों के लिए भिगो कर रख दें।

स्टेप 2– अब एक कटोरी में चार चम्मच दूध में केसर के लच्छे डालकर रख दें।

स्टेप 3– एक मोटे तले के बर्तन में धीमी आंच में दूध गर्म करें।

स्टेप 4– भीगे हुए चावलों को थोड़े से घी में तल लें और उबलते दूध में डालकर इसे चलाते रहें।

स्टेप 5– जब चावल पाक जाएं तो इसमें चीनी डालकर अच्छे से मिला लें।

स्टेप 6– तैयार खीर में इलायची और केसर दूध डालकर अच्छी तरह से मिला लें।

स्टेप 7– खीर को 5–7 मिनट के लिए पकाकर आंच से उतार लें।

स्टेप 8– अब एक पैन में घी गर्म करके उसमें काजू, बादाम, किशमिश, पिस्ता समेत सभी बारीक कटे मेवा को डालकर हल्का फ्राई करें।

स्टेप 9– इस रोस्टेड मेवा से खीर को ऊपर से गार्निश करें।

करवा चौथ पर मीलों दूर है पति तो कैसे खोलें व्रत? अपनाएं ये आसान तरीके

हिंदू धर्म में करवा चौथ व्रत की बहुत अधिक मान्यता है। इस व्रत को सुहागिनों का व्रत कहा जाता है। क्योंकि, महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए ये व्रत करती हैं और उन्हीं के हाथों से पानी पीकर अपना व्रत खोलती हैं।

हालांकि कई ऐसे युगल भी हैं जो करवा चौथ के मौके पर एक दूसरे से मीलों दूर होते हैं। नौकरी या अन्य किसी कारण से पति–पत्नी करवा चौथ पर एक दूसरे के साथ नहीं होते। ऐसे में जिन महिलाओं के पति उनसे मीलों दूर हैं, वह अपना व्रत कैसे खोलें? अगर आप भी उन महिलाओं में से हैं, जिनके पति इस करवा चौथ पर उनसे दूर हैं, तो चलिए आपको कुछ आसान उपाय बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप ये व्रत खोल सकती हैं।

आधुनिकीकरण के दौर में आप वीडियो कॉल के जरिए अपना व्रत खोल सकती हैं। इसके लिए आप पहले पति के साथ वीडियो कॉल पर जुड़ जाएं। फिर अपनी पूजा करें। चंद्र देव को अर्घ्य दें और फिर चांद को देखने के बाद वीडियो कॉल पर पति का चेहरा देखकर व्रत खोलें।

वीडियो कॉल के अलावा पति की फोटो देखकर भी व्रत खोला जा सकता है। इसके साथ ही उनसे सामान्य कॉल पर बात करें। फोन पर पति की आवाज सुनने और तस्वीर देखकर उपवास खोलने से पत्नी को पति की कमी का एहसास कम होगा। पत्नी को महसूस होगा कि पति उन से दूर नहीं हैं।

पहले जब वीडियो कॉल और फोटो जैसी सुविधाएं नहीं थीं तो कई महिलाएं पति की प्रतिमा बनवाकर भी व्रत खोला करती थीं। मान्यता है कि अगर महिलाएं इस विधि से व्रत खोलती हैं तो ये भी पूरा माना जाता है और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

करवा चौथ पर जीवनसाथी से दूर होने का अहसास एक दूसरे को न होने दें। इसके लिए कपल एक दूसरे को उनका पसंदीदा तोहफा दे सकते हैं। ऑनलाइन माध्यम से करवा चौथ के लिए खास गिफ्ट भिजवाया जा सकता है। इसके अलावा चॉकलेट या फूलों के जरिए भी पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। साथ ही उन्हें महसूस करा सकते हैं कि मीलों की दूरी आपके दिलों की नजदीकियां कम नहीं कर सकती है।

शादी के बाद है पहला करवा चौथ, इन तरीकों से पति–पत्नी दिन को बनाएं यादगार

❍ करवा चौथ की पूजा एक ऐसी रस्म है, जिसमें पति–पत्नी का साथ बहुत महत्वपूर्ण होता है। साथ में पूजा करना और एक दूसरे के लिए मंगल कामना करना, उनके रिश्ते को मजबूत करता है। जब पति अपनी पत्नी के साथ चांद को देखकर व्रत खोलने में भागीदार बनता है, तो यह उनकी एकता और प्रेम को दर्शाता है। इसके अलावा, पति अपनी पत्नी के व्रत को तोड़ने के लिए पानी और मिठाई देकर उसे स्नेहपूर्वक खिलाएं, यह एक बेहद यादगार पल हो सकता है।

शादीशुदा जोड़े के लिए महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार करवा चौथ 20 अक्तूबर 2024 को मनाया जा रहा है। करवा चौथ भारतीय संस्कृति में पति–पत्नी के लिए एक महत्वपूर्ण पर्व है जो खास तौर पर उत्तर भारत में मनाया जाता है। यह त्योहार धार्मिक महत्व रखने के साथ ही पति–पत्नी के बीच प्रेम, स्नेह और आपसी विश्वास का भी प्रतीक है। इस त्योहार के माध्यम से पति–पत्नी एक दूसरे के प्रति अपना लगाव और फ्रिक जाहिर करते हैं। महिलाएं पति की लंबी आयु के लिए उपवास करती हैं तो पति पत्नी के स्वास्थ्य की फिक्र करते हुए पूजा के पास अपने हाथों से उन्हें पानी पिलाकर उपवास खोलते हैं।

शादी के बाद जो नवविवाहित जोड़े पहली बार करवा चौथ मनाते हैं, वह तो इस पर्व को लेकर अधिक उत्साहित रहते हैं। शादी के बाद पहला करवा चौथ इसलिए भी खास हो जाता है क्योंकि यह एक ऐसा अवसर होता है जब नव विवाहित जोड़ा एक दूसरे के लिए अनमोल पल संजो सकता है। आइए जानते है, कैसे अपने पहले करवा चौथ को पति–पत्नी एक दूसरे के लिए यादगार बना सकते हैं।

पति–पत्नी का रिश्ता भले ही शादी नाम के बंधन से जुड़ा होता है लेकिन इसमें मजबूती प्यार से आती है। रिश्ते में प्यार है तो उसे अभिव्यक्त करना भी जरूरी है। शादी के बाद पति–पत्नी को एक दूसरे से अपने प्यार और भावनाओं का इजहार करना चाहिए। करवा चौथ का दिन पति–पत्नी को अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति का अवसर देता है। इस मौके पर पति अपनी पत्नी के लिए एक प्यारा सा संदेश, कविता या भावपूर्ण पत्र लिख सकते हैं। वहीं पत्नी अपने प्रेम का इजहार करते हुए पति के लिए खास तोहफा या संदेश तैयार कर सकती हैं। ऐसे छोटे–छोटे भावुक पल रिश्ते को और मजबूत बनाते हैं।

करवा चौथ के मौके पर घर की सजावट भी त्योहार में दोगुना उत्साह भर देती है। दिन और भी खास बन सकता है। करवा चौथ के मौके पर अपने घर को सुंदर तरीके से सजाएं। ये सजावट महज घर की नहीं, बल्कि पति–पत्नी भी खुद को सजाएं यानी अच्छे से तैयार हों। महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। वहीं पति को भी पारंपरिक पोशाक पहनकर पत्नी के साथ इस दिन को और भी विशेष बनाना चाहिए।

करवा चौथ की पूजा एक ऐसी रस्म है, जिसमें पति–पत्नी का साथ बहुत महत्वपूर्ण होता है। साथ में पूजा करना और एक दूसरे के लिए मंगल कामना करना, उनके रिश्ते को मजबूत करता है। जब पति अपनी पत्नी के साथ चांद को देखकर व्रत खोलने में भागीदार बनता है, तो यह उनकी एकता और प्रेम को दर्शाता है। इसके अलावा, पति अपनी पत्नी के व्रत को तोड़ने के लिए पानी और मिठाई देकर उसे स्नेहपूर्वक खिलाएं, यह एक बेहद यादगार पल हो सकता है।

व्रत के बाद, पति–पत्नी के लिए एक खास डिनर इस दिन को और भी रोमांटिक और यादगार बना सकता है। घर में कैंडल लाइट डिनर का आयोजन करना, या फिर एक शांत और खास रेस्टोरेंट में जाकर भोजन करना इस खास अवसर को और भी रोमांचक बना सकता है। यह एक ऐसा समय होता है, जब दोनों एक–दूसरे के साथ बिना किसी व्यस्तता के प्रेम भरे पल बिता सकते हैं।

करवा चौथ पर लगाएं पिया के नाम की मेहंदी, चार टिप्स से पक्का करें मेहंदी का रंग

करवा चौथ के दिन महिलाएं अपने परिवार की सुख–शांति और अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखती हैं, शाम के समय पूजा–अर्चना करती हैं और व्रत पूरा करती हैं। करवा चौथ पर महिलाएं अपने हाथो में पति के नाम की मेहंदी लगवाती हैं और इस मेहंदी के रंग के गहरा होने की कामना करती हैं क्योंकि माना जाता है कि मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, पति पत्नी से उतना ही प्यार करता है। अगर आप भी अपनी मेहंदी के रंग को गहरा करना चाहती हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकती हैं। इस लेख में मेहंदी के रंग को गहरा करने के तरीके बताए जा रहे हैं।

हथेली पर रची मेहंदी का रंग गहरा करना चाहती हैं तो मेहंदी के सूखने के बाद हाथ में विक्स वेपोरब को लगा लें और रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह आपकी मेहंदी का रंग देख कर सभी हैरान हो जाएंगे। ये मेहंदी का रंग गहरा करने का सबसे आसान तरीका है। मेहंदी लगने के बाद जब सूखने लगे तब एक नींबू का रस और एक चम्मच चीनी ले कर इसका घोल बना लें और इस घोल को अपने मेहंदी वाले हाथों में लगा लें। इससे आपकी मेहंदी का रंग गहरा और टिकाऊ होगा।से भी आपकी मेहंदी का रंग गहरा होगा। मेहंदी लगवाने के बाद जब ये सूख जाए तो इसमें सरसों का तेल लगाएं। सरसों का तेल गर्म तासीर का होता है जिससे मेहंदी का रंग गहरा होता है। अपने मेहंदी का रंग गहरा करने के लिए एक तवे पर 7–8 लौंग डालकर उसको गर्म करें। लौंग में से धुआं निकालने लगे तो मेहंदी लगे हुए हाथों को उसके ऊपर कुछ दूरी पर रखें।

करवा चौथ पर सजानी है पूजा की थाली, अपनाएं ये तरीके

करवा चौथ हिंदू वैवाहित महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद अपना व्रत खोलती हैं। करवा चौथ की पूजा के दौरान पूजा की थाली का विशेष महत्व होता है, जिसमें पूजा की सभी आवश्यक सामग्रियां रखी जाती हैं। इस थाली को सुंदर और व्यवस्थित ढंग से सजाना पूजा की पवित्रता को और भी बढ़ा देता है। आइए जानते हैं, करवा चौथ के लिए पूजा की थाली कैसे सजाएं।

पूजा की थाली सजाने के लिए आवश्यक सामग्री

करवा चौथ की पूजा की थाली सजाने के लिए कुछ सामग्रियों की आवश्यकता होती है–

करवा (मिट्टी या धातु का पात्र)

दीया (तेल या घी का दीपक)

रोली या कुमकुम (तिलक लगाने के लिए)

अक्षत (चावल)

चंदन

धूप या अगरबत्ती

फूल

मिठाई

पानी का लोटा अर्घ्य के लिए

चलनी जिससे महिलाएं चांद को देखती हैं

सिंदूर

फल

पूजा की थाली को सजाने के तरीके

वैसे तो बाजार में डेकोरेट थालियां मिल जाती हैं। हालांकि अगर आप घर पर ही पूजा की थाली को सजाना चाहते हैं तो सबसे पहले एक बड़े आकार की थाली लें, जिसमें सारा सामान सेट किया जा सके।

अगर आपके पास पेंट कलर हो तो थाली पर उससे कोई फूल, सुंदर कलाकृति या ओम आदि लिखकर रंग सकते हैं। अगर कलर नहीं है तो हल्दी को चावल के आटे के घोल में मिलाकर उससे थाली पर स्वास्तिक या ओम बनाएं। स्वास्तिक वाला भाग छोड़कर फूलों की पंखुड़ियों से थाली को सजाएं। थाली में फूलों की पंखुड़ियों को बिछाएं। इसके लिए गेंदा या गुलाब के फूलों का उपयोग कर सकते हैं। अब करवा चौथ की पूजा के लिए जरूरी सामान को थाली में एक–एक करके सेट करें। गोलाई से सभी चीजें जरूरत के मुताबिक रखें।जल के लोटे, या थाली में अन्य जो भी बर्तन रख रहे हैं, उसमें भी स्वास्तिक बना सकते हैं या पेंट कर सकते हैं। चाहें तो थाली के किनारे पर गोलाई से गोटा पट्टी को ग्लू से चिपका सकते हैं । ये भी देखने में आकर्षक लगता है।

संक्षिप्त

देश का सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 205.2 अरब डॉलर पर पहुंचा: आरबीआई

मुंबई। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की विदेशी अनुषंगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं समेत देश का सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023–24 में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात पर आरबीआई के वार्षिक सर्वेक्षण 2023–24 से पता चलता है कि भारत का सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात (विदेशों में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से उनकी बिक्री को छोड़कर) सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 190.7 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका 54 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य रहा। उसके बाद यूरोप (31 प्रतिशत हिस्सेदारी) का स्थान था जिसमें ब्रिटेन की अहम मौजूदगी रही। सर्वेक्षण में 7,226 सॉफ्टवेयर निर्यात कंपनियों से संपर्क किया गया। इनमें से 2,266 कंपनियों ने जवाब दिए जिनमें अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं। भाग लेने वाली कंपनियों की कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में लगभग 89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आरबीआई सर्वेक्षण कहता है कि वित्त वर्ष 2023–24 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं का हिस्सा दो–तिहाई से अधिक था और आईटीईएस निर्यात में बीपीओ सेवाएं प्रमुख घटक रहीं। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की तुलना में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में उच्च वृद्धि दर्ज की।

कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये पर

कोटक महिंद्रा बैंक का एकल आधार पर मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 3,344 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में वित्तीय कंपनी का मुनाफा 3,191 करोड़ रुपये रहा था। कोटक महिंद्रा बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी सितंबर तिमाही में बढ़कर 15,900 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,507

करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 13,216 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,193 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 11 प्रतिशत बढ़कर 7,020 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 6,297 करोड़ रुपये थी। हालांकि, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) घटकर 4.91 प्रतिशत रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 5.22 प्रतिशत था। सितंबर, 2024 के अंत तक बैंक की सकल गैर–निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर सकल ऋण का 1.49 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले इसी समय 1.72 प्रतिशत थीं। हालांकि शुद्ध एनपीए या खराब कर्ज बढ़कर 0.43 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 0.37 प्रतिशत था।

Jio Financial का लाभ दूसरी तिमाही में तीन प्रतिशत बढ़कर 689 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली । जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. का शुद्ध लाभ सितंबर 2024 को समाप्त दूसरी तिमाही मेंमामूली तीन प्रतिशत बढ़कर 689 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने एक साल

पहले इसी तिमाही में 668 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कुल आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 694 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 608 करोड़ रुपये थी। हालांकि, पिछले वर्ष की समान अवधि में 71 करोड़ रुपये के मुकाबले कुल खर्च दोगुना होकर 146 करोड़ रुपये हो गया। सूचना में कहा गया है कि कंपनी ने मुख्य निवेश कंपनी (सीआईसी) के रूप में पंजीकरण के लिए रिजर्व बैंक को आवेदन दिया था। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को नौ जुलाई, 2024 को रिजर्व बैंक से आवश्यक अनुमोदन और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इसके साथ, वह एक गैर–जमा लेने वाली प्रणाली के लिहाज से महत्वपूर्ण मुख्य निवेश कंपनी (सीआईसी–एनडी–एसआई) बन गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. से अलग हुई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज निवेश और वित्त पोषण, बीमा ब्रोकिंग, भुगतान बैंक और भुगतान एग्रीगेटर और भुगतान गेटवे सेवाओं से जुड़ी हुई है।

सरफराज ने दूसरी पारी में जड़ा शतक

पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे

बंगलुरू। भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा। तीसरे दिन विराट कोहली के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाने वाले सरफराज ने चौथे दिन ऋषभ पंत के साथ पारी आगे बढ़ाई और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में अपनी शानदार फॉर्म को दूसरी पारी में बरकरार रखा। सरफराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में लिया गया था, लेकिन उन्हें दोनों ही मैचों में प्लेइंग–11 में जगह नहीं मिली थी। शुभमन गिल की अनुपस्थिति में सरफराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए एकादश में जगह मिली, लेकिन पहली पारी में उनका बल्ला फ्लॉप रहा और सरफराज तीन गेंद खेलकर खाता खोले बिना आउट हुए थे। दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और अपना दम दिखाया। ऐसा 22वीं बार हुआ है जब कोई भारतीय बल्लेबाज किसी टेस्ट की पहली पारी में खाता खोले बिना आउट होने के बाद दूसरी पारी में शतक लगाने में सफल रहा है। हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट में गिल ने भी ऐसा किया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच में शून्य और शतक लगाने वाले सरफराज दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले 2014 में शिखर धवन ऐसा कर चुके हैं। ऑकलैंड में खेले गए टेस्ट में धवन पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 115 रन बनाए थे। सरफराज खान ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में शानदार प्रदर्शन किया था। मुंबई के लिए खेलने वाले सरफराज ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप मुकाबले में दोहरा शतक जड़ा था और टीम को 27 साल बाद खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सरफराज पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और 2022 से भारत के लिए प्रथण श्रेणी क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। सरफराज इस दौरान 12 शतक लगा चुके हैं। सरफराज ने इस मामले में अभिन्यु ईश्वरन को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2022 से अब तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 11 शतक लगाए हैं। वहीं, टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और रिकी भुई के नाम 2022 से अब तक प्रथम श्रेणी में 10 शतक हैं। सरफराज के साथ चौथे दिन ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे और दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज और पंत के अब तक चौथे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हो चुकी है। सरफराज ने शनिवार को 70 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की।

मेटा का बड़ा फैसला, कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

मील क्रेडिट को अन्य सामान के लिए कर रहे थे उपयोग

इन दिनों कई कंपनियों में रोजाना अपने कर्मचारियों को खाना दिया जाता है या फिर कई कंपनियां फूड क्रेडिट के तौर पर कूपन उपलब्ध कराए जाते है। कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ये फैसला होता है। जांच से पता चला कि कुछ स्टाफ सदस्यों ने टूथपेस्ट, कपड़े धोने का डिटर्जेंट और यहां तक कि वाइन ग्लास जैसी गैर–खाद्य वस्तुएं खरीदने के लिए सिस्टम का फायदा उठाया। इस घटना ने सिलिकॉन वैली में कर्मचारी लाभ की नैतिकता के बारे में चिंताएं पैदा कर दी हैं। जांच में पता चला कि कुछ कर्मचारी, जिनमें से एक का वार्षिक वेतन 400,000 डॉलर है, अपने भोजन भत्ते का उपयोग भोजन के लिए खाद्य सामग्री खरीदने के बजाय किराने का सामान और घरेलू सामान खरीदने में कर रहे थे। इस अनाम कर्मचारी ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ब्लाइंड पर इस प्रथा को स्वीकार करते हुए कहा, जिन दिनों मैं कार्यालय में खाना नहीं खा रही होती, जैसे कि अगर मेरे पति खाना बना रहे होते या मैं दोस्तों के साथ डिनर कर रही होती, तो मुझे लगता कि मुझे डिनर क्रेडिट बर्बाद नहीं करना चाहिए। यह घटना, अन्य घटनाओं के अलावा, भोजन क्रेडिट के उपयोग के बारे में एक अधिक व्यापक मानव संसाधन जांच के दौरान सामने आई। जिन कर्मचारियों को अक्सर नीति का उल्लंघन करते पाया गया, उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया, जबकि मामूली उल्लंघन करने वालों को फटकार लगाई गई, लेकिन उन्हें अपने पद पर बने रहने दिया गया। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक बर्खास्त कर्मचारी ने टिप्पणी की, ष्यह लगभग अवास्तविक था कि यह सब हो रहा था। मेटा ने लंबे समय से अपने कर्मचारियों को एक भत्ते के रूप में मुफ्त भोजन प्रदान किया है, विशेष रूप से सिलिकॉन वैली मुख्यालय जैसे अपने बड़े परिसरों में। छोटे स्थानों पर, कंपनी नाश्ते के लिए +20 और दोपहर और रात के खाने के लिए +25 का दैनिक क्रेडिट प्रदान करती है, जिसका उपयोग खाद्य वितरण प्लेटफार्मों पर किया जाता है। हालाँकि, जाँच से पता चला कि कुछ कर्मचारियों ने गैर–खाद्य वस्तुओं का ऑर्डर देकर इस लाभ का दुरुपयोग किया। वर्ष 2022 और 2023 में, 1.46 ट्रिलियन डॉलर मूल्य की कंपनी ने महत्वपूर्ण डाउनसाइज़िंग प्रयास के तहत लगभग 21,000 नौकरियों में कटौती की। हाल ही में की गई छंटनी मेटा के व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम और ऑगमेंटेड रियलिटी डिवीजन, रियलिटी लैब्स के भीतर पुनर्गठन से भी जुड़ी है। वर्ष 2022 में, मेटा को कर्मचारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ा जब उसने सिलिकॉन वैली परिसर में अपनी मुफ्त रात्रिभोज सेवा को 30 मिनट तक विलंबित करके शाम 6:30 बजे कर दिया, जिससे कर्मचारियों के लिए भोजन का स्टॉक करना या कंपनी की शटल सेवाओं का उपयोग करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया।

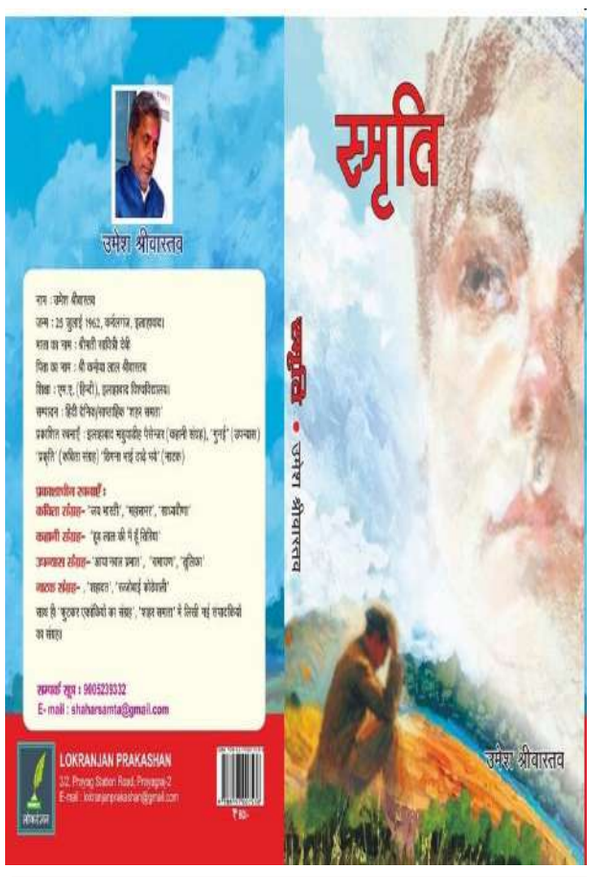

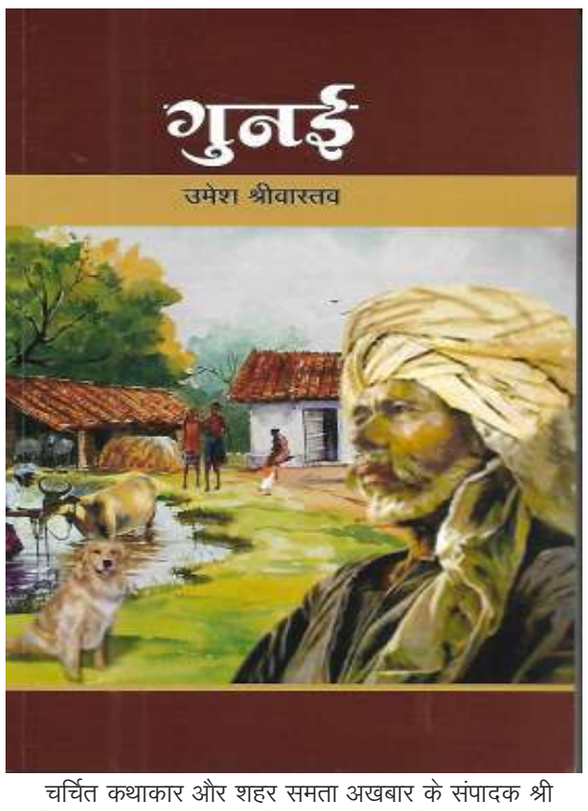

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

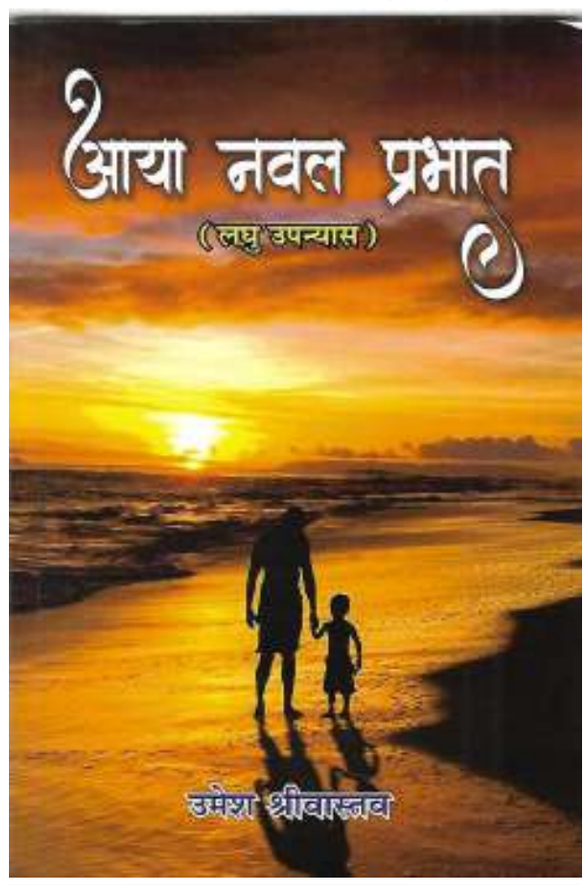

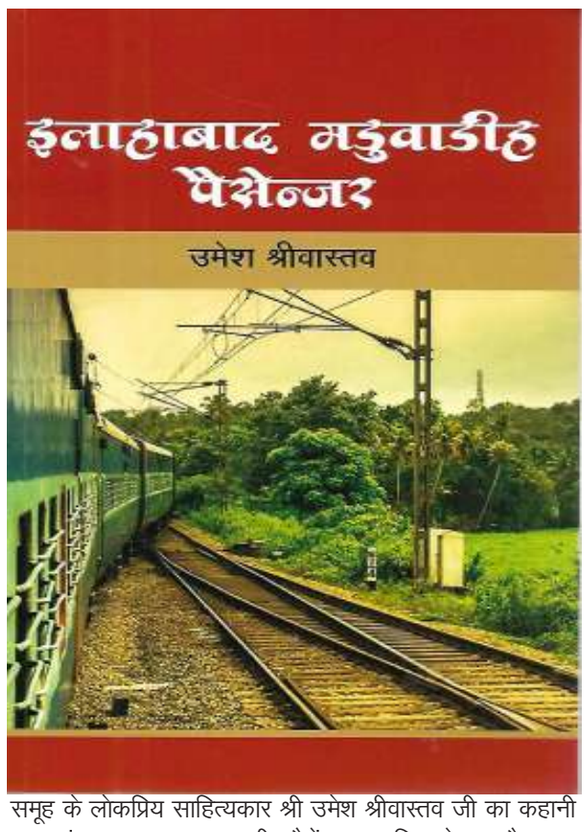

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

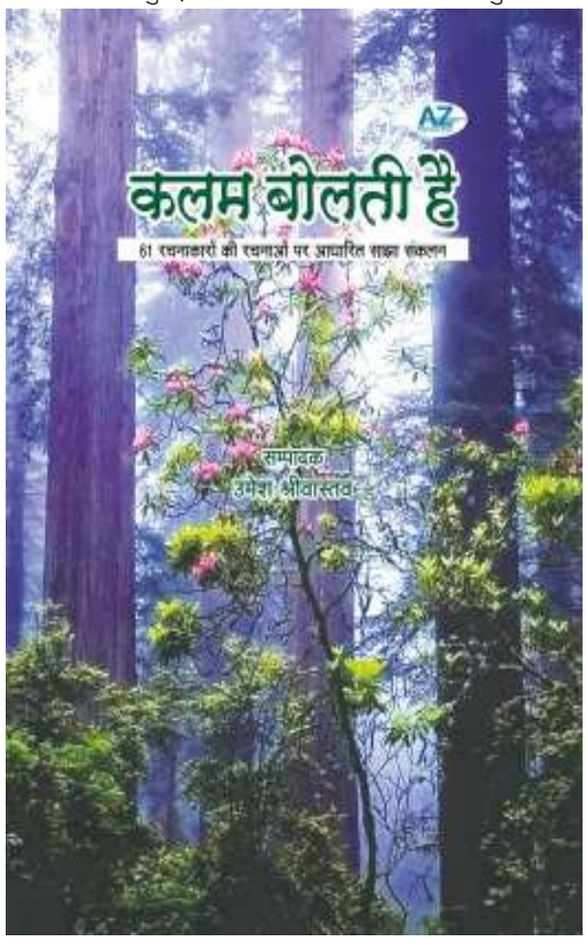

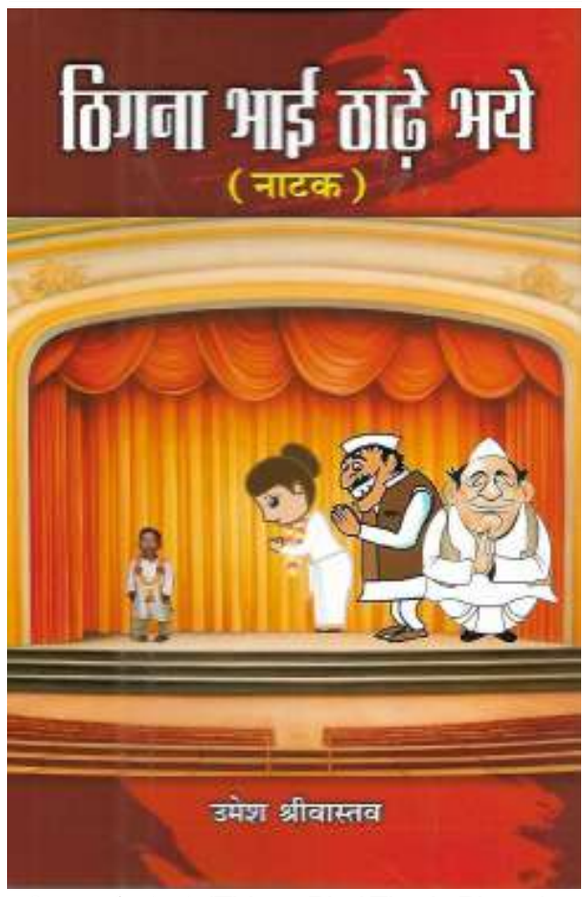

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

इजरायल ने राम मंदिर में की पूजा, बजाया शंख, 24 घंटे में ही खत्म हो गया हमास

अब इसे संयोग कहा जाए या कुछ और लेकिन भारत में पूजा करते ही इजरायल ने अपने सबसे बड़े दुश्मन को मारने में सफलता हासिल कर ली। इजरायल दशकों से हमास नेता याह्या सिनवार को ढूंढ़ रहा था। लेकिन अचानक ऐसी घटना हुई जिस पर यकीन करना मुश्किल है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इस अजीब से संयोग को लेकर बातें भी करनी शुरू कर दी हैं। दरअसल, 16 अक्टूबर को भारत में तैनात इजरायल के राजदूत रूबैन अजार ने ट्वीट करके कहा कि मैं अयोध्या में श्री राममंदिर के दर्शन करके अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। यह पवित्र स्थल भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। यहाँ दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों और भक्तों की भक्ति ने मुझे बहुत प्रभावित किया।

इज़राइल और भारत दोनों के लोगों ने कई चुनौतियों के बावजूद पीढ़ियों से अपने प्राचीन आस्था और संस्कृति को संरक्षित रखा है। राम मंदिर में पूजा करने के अगले ही दिन यानी 17 अक्टूबर को इन्हीं रूबैन अजार ने एक और होश उड़ाने वाली जानकारी दी। रूबैन अजार ने बताया कि इजरायल ने अपने सबसे बड़े दुश्मन याह्या सिनवार को खत्म कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि इजरायल ने जैसे ही राम मंदिर में पूजा अर्चना की उसके अगले ही दिन हमास पर बड़ी जीत हासिल कर ली। वैसे इस शिकार से पहले दो इजरायली सैनिकों का शंखनाद भी वायरल हो रहा है। इन दोनों इजरायली सैनिकों ने अपनी पूरी सेना के लिए शंखनाद किया ताकी वो हर मिशन में विजयी हो जाए। बहरहाल इजरायल ने जानकारी दी है कि उसने हमास को लगभग खत्म कर दिया है। हमास ने पुष्टि की कि उसका नेता याह्या सिनवार गाजा में इजराइली बलों के हमले में मारा गया है। साथ ही चरमपंथी संगठन ने अपना यह रुख दोहराया कि एक साल पहले इजराइल से बंधक बनाए गए लोगों को तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक गाजा में संघर्ष विराम नहीं होता और इजराइली सैनिकों की वापसी नहीं होती। इससे एक दिन पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि जब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाता तब तक देश की सेना लड़ती रहेगी और हमास को कमजोर करने के लिए गाजा में तैनात रहेगी। दोनों पक्षों का यह रुख इस बात का संकेत देता है कि दोनों ही संघर्ष को समाप्त करने के करीब नहीं हैं। इजराइल में गाजा में बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों ने मांग की है कि इजराइल सरकार सिनवार की मौत को अपने प्रियजनों को वापस लाने के संबंध में बातचीत फिर शुरू करने के मार्ग के रूप में इस्तेमाल करे। गाजा में अभी करीब 100 बंधक हैं और इजराइल के अनुसार करीब 30 बंधक मारे जा चुके हैं। उधर लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला ने शुक्रवार को इजराइली सैनिकों के खिलाफ लड़ाई का एक नया चरण शुरू करने की कसम खाई। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने सिनवार को श्रद्धांजलि देते हुए एक बयान जारी कर कहा कि वह इराकी नेता सद्दाम हुसैन के उलट युद्धभूमि में मारा गया है, छिपते हुए नहीं। हुसैन को फांसी दी गई थी।

हमास जिंदा है और रहेगा... याह्या सिनवार की मौत पर आया ईरान के सर्वोच्च नेता का बयान

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि हमास नेता याह्या सिनवार की मौत से प्रतिरोध नहीं रुकने वाला और हमास का अस्तित्व बना रहेगा। खामेनेई ने एक बयान में कहा कि याह्या सिनवार की मौत के बाद हमास को एक बड़ा झटका लगा है। लेकिन इससे इजरायल के खिलाफ विरोध कम नहीं होगा। ये विरोध याह्या सिनवार की मौत खत्म होने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि हमास जिंदा है और जिंदा रहेगा। एक्स पर पोस्ट में खामेनेई ने हमास नेता की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और उन्हें वीर मुजाहिद बताया। खामेनेई ने कहा कि याह्या सिनवार जैसे व्यक्ति के लिए जिसने अपना जीवन हड़पने वाले, क्रूर दुश्मन के खिलाफ लड़ाई में समर्पित कर दिया था, शहादत से कम कुछ भी अयोग्य भाग्य होता। उन्होंने कहा कि वो ईमानदार फ़िलिस्तीनी मुजाहिदीन और लड़ाकों के साथ खड़े रहेंगे। इस महीने की शुरुआत में आधे दशक में अपने पहले शुक्रवार के उपदेश में, 85 वर्षीय ईरानी सर्वोच्च नेता ने चेतावनी दी थी कि इज़राइल लंबे समय तक नहीं टिकेगा। इज़रायल पर 7 अक्टूबर के हमले का आदेश देने वाले हमास नेता याह्या सिनवार को शुक्रवार को मार दिया गया। इज़राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने गुरुवार, 17 अक्टूबर को सिनवार की मौत की घोषणा की। वह इज़राइल के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक था। पिछले साल 7 याह्या सिनवार अक्टूबर को हमास की तरफ से इस्राइल पर हुए हमले का मास्टरमाइंड याह्या सिनवार को माना जाता है। 7 अक्टूबर को जब हमास ने इस्राइल पर हमला किया था तब उसमें 1,200 से अधिक इस्राइली मारे गए थे और 250 से अधिक बंधक बनाए गए थे। सिनवार को श्खान यूनिस का कसाईश कहा जाता है। हालाँकि, आईडीएफ सैनिकों और ड्रोन से बचने के लिए सिनवार लगातार अपने ठिकाने बदलता रहा। इसके अलावा, यह माना जाता था कि मारे जाने की संभावना को कम करने के लिए सिनवार ने इजरायली बंधकों का घेरा अपने आस पास बना लिया था।

यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है :

मॉस्को । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है लेकिन उन्हें यकीन है कि इसमें उनका देश जीतेगा। उन्होंने यूक्रेन में युद्ध के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जताई गई चिंता को लेकर उनकी तारीफ की। यहां मीडिया से बातचीत में रूसी नेता ने कहा कि उनका देश वार्ता के पक्ष में है लेकिन इस दिशा में की गयी कोशिश को यूक्रेन ने ही पलीता लगा दिया। जब 'पीटीआई' ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें रूस और यूक्रेन के बीच शांति संबंधी वार्ता में भारत की भूमिका नजर आती है तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त की गयी चिंता का हवाला दिया और मोदी को 'मित्र' बताया। पुतिन ने कहा कि रूस इसके लिए 'आभारी' है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित करना कठिन है। उन्होंने रूस को युद्ध में धकेलने के लिए अमेरिका और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को दोषी ठहराया तथा कहा कि उनका देश विजयी होगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना अपने बलबूते इतनी सटीकता के साथ हथियारों को लक्ष्य तक नहीं पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा, ''यह सब नाटो पेशेवरों द्वारा किया जाता है। लेकिन आप जानते हैं कि फर्क क्या है। नाटो हमारे खिलाफ युद्ध लड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि रूसी सेना दुनिया की सबसे अधिक प्रभावी और उच्च तकनीक वाली सेनाओं में से एक बन गई है और नाटो "हमारे खिलाफ यह युद्ध लड़ते–लड़ते थक जाएगा।'' पुतिन ने एक दुभाषिया के माध्यम से विदेशी पत्रकारों के एक समूह से कहा, ''हम बढ़त हासिल करेंगे। हम जीतेंगे।'' रूसी नेता ने शांति वार्ता की इच्छा व्यक्त की और यूक्रेन पर पहले के प्रयासों से पीछे हटने का आरोप लगाया। कुछ सप्ताह पहले अपने वक्तव्य में पुतिन ने कहा था कि रूस इस मुद्दे पर भारत, चीन और ब्राजील के संपर्क में है।

जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय पर बम हमला, संदिग्ध गिरफ्तार : मीडिया रिपोर्ट

जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय में शनिवार को एक व्यक्ति ने कई बम फेंके जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सार्वजनिक प्रसारणकर्ता 'एनएचके' और अन्य जापानी मीडिया ने यह जानकारी दी। इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। टोक्यो पुलिस ने इस घटना के संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। समाचार रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें बताया गया कि आरोपी ने अपनी कार को पास की बाड़ में घुसा दिया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमले के पीछे उसका मकसद क्या था। सत्तारूढ़ 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' संदिग्ध वित्तपोषण और कर चोरी से जुड़े घोटाले के कारण आमजन के बीच तेजी से लोकप्रियता खोती जा रही है। हमले के संबंध में पार्टी ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देश की संसद के निचले सदन के लिए मतदान 27 अक्टूबर को होगा। कुछ दागी नेताओं से सत्तारूढ़ पार्टी ने आधिकारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है लेकिन वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। 'लिबरल डेमोक्रेट्स' लंबे समय से जापान में सत्ता में रही है। द्वितीय विश्व युद्ध की तबाही से जापान को आर्थिक महाशक्ति बनाने में उसकी बड़ी भूमिका है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2022 में उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह संसदीय चुनाव के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के एक उम्मीदवार के प्रचार में भाषण दे रहे थे। हत्यारे ने हस्तनिर्मित बंदूक का इस्तेमाल किया था और कहा था कि वह आबे से इसलिए नाराज था क्योंकि उसकी मां ने परिवार का सारा पैसा 'यूनिफिकेशन चर्च' को दे दिया था और वह आबे को उस चर्च से जुड़ा मानता था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

हिजबुल्ला ने अब शुरू कर दिया अपना बदला ? पीएम नेतन्याहू के घर पर ड्रोन अटैक

लेबनान से लॉन्च किया गया एक ड्रोन दक्षिणी हाइफ़ा के कैसरिया में इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास के पास विस्फोट हो गया। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा कि नेतन्याहू और उनकी पत्नी हमले के समय मौजूद नहीं थे, यह हमला इज़राइल द्वारा गाजा में हमास प्रमुख याह्या सिनवार को मार गिराने के दो दिन बाद हुआ है। लेबनान से दागे गए दो अन्य ड्रोनों को हवाई सुरक्षा बलों ने मार गिराया, जिससे तेल अवीव क्षेत्र में सायरन बजने लगे। हालाँकि, तीसरा कैसरिया में एक इमारत पर गिरा, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। सऊदी आउटलेट अल–हदथ ने दावा किया कि ड्रोन क्षतिग्रस्त हो गया। हालाँकि, किसी हमले में इमारत का एक हिस्सा मिली। इज़रायली मीडिया की के हताहत होने की सूचना नहीं इमारत से टकराने से पहले ड्रोन रिपोर्ट के अनुसार, कैसरिया में किलोमीटर दूर उड़ान भरी। ने लेबनान से लगभग 70 ठिकानों पर पिछले एक साल से गौरतलब है कि हमास के भूमिगत अब दक्षिणी लेबनान में चरमपंथी हमला कर रही इजराइली सेना और उसके अन्य ठिकानों को समूह हिजबुल्ला की भी सुरंगों इजराइल में पिछले साल हमला निशाना बना रही है। हमास ने ने गाजा में जवाबी कार्रवाई की किया था जिसके बाद इजराइल

और युद्ध शुरू हो गया। अब इजराइल ने कहा है कि उसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उसकी उत्तरी सीमा से कोई भी ऐसा हमला या घुसपैठ न हो। इजराइली सेना ने पिछले दो हफ्तों से दक्षिण लेबनान के घने जंगलों में तलाश अभियान के दौरान एक सुरंग प्रणाली का पता लगाया, जिसमें हथियारों का जखीरा और रॉकेट लॉन्चर हैं। इजराइल का दावा है कि ये सुरंगें आस–पास के समुदायों के लिए सीधे खतरे का कारण बन सकती हैं। इजराइल ने कहा कि उसके आक्रमण में ''सीमित, स्थानीय और लक्षित जमीनी हमले' शामिल हैं, जिनका उद्देश्य हिजबुल्ला के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है ताकि हजारों विस्थापित इजराइली अपने घर लौट सकें।

दांत निकाला, उंगली काटी, खोपड़ी उड़ी, हाथ टूटा, सिनवार की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैरान करने वाला खुलासा

इजरायली रक्षा बलों ने राफा में एक जमीनी ऑपरेशन के दौरान हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत पर अपनी जीत का दावा किया है। 16 अक्टूबर के बाद से ऑपरेशन से संबंधित कई प्रमुख विवरण प्रसारित किए गए हैं। इससे पहले, आईडीएफ ने शीर्ष हमास नेता के अंतिम क्षणों को कैद करते हुए दृश्य साझा किए थे, जहां उन्हें इजरायली हमले से बचने के लिए एक जीर्ण–शीर्ण इमारत में शरण लेते देखा गया था। अब, मारे गए आतंकवादी के शव परीक्षण से संबंधित और विवरण सामने आए हैं, जिसमें उसकी मृत्यु की पुष्टि कैसे की गई और उसकी मृत्यु के समय उसे कौन सी चोटें लगी थीं, यह भी शामिल है। कैप्चर किए गए अंतिम क्षणों से शुरू करते सिनवार को एक कुर्सी पर झुका हुआ बैठा देखा गया, जो धूल से ढका हुआ था, उसका सिर और चेहरा दुपट्टे से ढका हुआ था। कथित तौर पर उस समय भी उनके हाथ में गंभीर चोटें आई थीं, लेकिन जब उन्होंने एक ड्रोन को आते देखा, तो उन्होंने उसकी दिशा में अपने सिर पर एक छड़ी फेंक दी। सके अलावा उस ऑपरेशन के बारे में इज़राइल के राष्ट्रीय फोरेंसिक संस्थान के निदेशक डॉ. चेन कुगेल ने एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया–आउटलेट से बात करते हुए शव परीक्षण रिपोर्ट से विवरण साझा किया। डॉ. कुगेल ने पुष्टि की कि सिनवार की मौत सिर पर गोली लगने से हुई। डॉ. कुगेल ने सीएनएन के साथ एक साक्षात्कार में कहा न्हें अन्य स्रोतों से गंभीर चोटें आईं, जैसे कि मिसाइल की चोट से उनकी दाहिनी बांह फट गई, उनके बाएं पैर पर गिरी हुई चिनाई, और उनके शरीर पर कई छर्रे के घाव, मौत का कारण सिर पर गोली लगने का घाव था। . कुगेल ने यह भी उल्लेख किया कि संभवतः किसी मिसाइल या टैंक गोले के छर्रे से सिनवार का अग्रबाहु गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

भारत ने श्रीलंका के बागान समुदाय में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनुदान दोगुना किया

कोलंबो। भारत ने श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिल समुदाय के बागान क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने के मकसद से अपने अनुदान को दोगुना करके 17 करोड़ 22 लाख 50 रुपये कर दिया है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा और श्रीलंका के शिक्षा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव जे एम थिलाका जयसुंदरा ने इस अनुदान को औपचारिक रूप देने के लिए

राजनयिक पत्रों पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए और उनका आदान–प्रदान किया। झा ने कहा, ''इस परियोजना के तहत श्रीलंका सरकार द्वारा चिह्नित नौ बागान स्कूल के बुनियादी ढांचे के उन्नयन की परिकल्पना की गई है। इनमें मध्य प्रांत के बागान क्षेत्रों में छह स्कूल और उवा, सबरागामुवा और दक्षिणी प्रांत में एक–एक स्कूल शामिल है।'' यह अतिरिक्त धनराशि श्रीलंका सरकार के अनुरोध पर दी गई और इसी के साथ इस परियोजना के लिए भारत की कुल प्रतिबद्धता अब 60 करोड़ श्रीलंकाई रुपये (17 करोड़ 22 लाख 50 भारतीय रुपये) हो गई है। यह परियोजना शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र में श्रीलंका में भारत की कई पूर्व एवं वर्तमान विकास साझेदारी पहलों का हिस्सा है।

इजराइली प्रधानमंत्री नेतान्याहू के आवास पर ड्रोन से हमला

इजराइल सरकार ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास की ओर शनिवार को एक ड्रोन से वार किया गया, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइल सरकार ने बताया कि लेबनान की ओर से गोलीबारी के मद्देनजर शनिवार सुबह इजराइल में सायरन बज उठा और इसके साथ ही

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सैसरिया स्थित आवास की ओर ड्रोन वार किया गया। प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री आवास पर जिस समय यह हमला किया गया तब न तो नेतन्याहू और न ही उनकी पत्नी यहां मौजूद थे। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में पोलियो के चार नए मामले मिले, इस साल अब तक 37 मरीज मिले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बलूचिस्तान के पिशिन इलाके में एक लड़की पोलियो वायरस से संक्रमित मिली है। वहीं चमन और नोशकी इलाके में दो लड़के इस वायरस से संक्रमित मिले हैं। खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत इलाके की एक लड़की में भी वायरस की पुष्टि हुई है। इस साल पाकिस्तान में पोलियो के मामले बढ़कर 37 हो गए हैं। इनमें से 20 मामले अकेले बलूचिस्तान और 10 सिंध, पांच खैबर पख्तूनख्वा और एक–एक पंजाब और इस्लामाबाद में मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सिर्फ पाकिस्तान और अफगानिस्तान में ही पोलियो संक्रमण के मामले मिल रहे हैं। भारत सरकार ने श्रीलंका के चाय बागानों में काम करने वाले गरीब भारतीय–तमिल समुदाय की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद दोगुनी करने का फैसला किया है। अब भारत इस मद में आर्थिक अनुदान के तहत 60 करोड़ श्रीलंकाई रुपये देगा। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा और श्रीलंका सरकार के मंत्री जेएम तिलक जयासूर्या ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। संतोष झा ने कहा कि चाय बागान वाले इलाकों में 9 स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। श्रीलंका ने 17 भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया है। इन मछुआरों को श्रीलंका की जल सीमा का उल्लंघन करने के आरोप में बीते दिनों गिरफ्तार किया गया था। अब इन्हें रिहा किया गया है। श्रीलंका की जेल से रिहा होकर भारतीय मछुआरे भारत लौट रहे हैं। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी है। दोनों देशों के मछुआरे अक्सर जल सीमा का उल्लंघन करने के चलते गिरफ्तार होते रहते हैं। कई मौकों पर श्रीलंकाई नौसेना ने पाल्क जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर फायरिंग भी की है। पाल्क जलडमरूमध्य एक संकरा इलाका है, जो तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करता है। अक्सर इस इलाके में दोनों देशों के मछुआरों को सीमा उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।